सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहराई से शोध कार्य करें

बीकानेर @ पत्रिका. बांदा कृषि विश्वविद्यालय (यूपी) के कुलपति डॉ. एनपी सिंह और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने मंगलवार को कृषि महाविद्यालय परिसर में बागवानी वैज्ञानिकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी सिंह ने कहा कि बागवानी वैज्ञानिक फलों, फूलों, और सब्जियों की खेती के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहराई से शोध कार्य करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिल सके। साथ ही खजूर की कटाई के बाद उसके प्रसंस्करण पर विशेष ध्यान दें।

समीक्षा बैठक में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि सभी कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक एवं विषय विशेषज्ञ विशिष्टता के साथ शिक्षण व शोध का कार्य करें। सामुदायिक विभाग महाविद्यालय के बाजरा बिस्कुट और उद्यान विभाग के विभिन्न फलों के स्क्वैश से कैंडी निर्माण की तर्ज पर सभी विभागों के अपने अलग उत्पाद हों। उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पी के यादव ने विभाग में चल रही विभिन्न परियोजनाओं, स्नातक, स्नातकोत्तर, एवं शोध के विषय की विभिन्न जानकारी दी। बैठक में एसकेआरएयू के अंतर्गत आने वाले छह जिलों बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, झुंझुनूं व जैसलमेर के बागवानी वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

पंजाब केसरी
WED,03 APRIL 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

श्रीगंगानगर में फूलों की खेती को मिले बढ़ावा : डॉ. एन.पी. सिंह

बीकानेर, 2 अप्रैल (प्रेम) : बांदा कृषि विश्वविद्यालय (यूपी) के कुलपति डॉ. एन.पी. सिंह और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने मंगलवार को कृषि महाविद्यालय परिसर में बागवानी वैज्ञानिकों के साथ समीक्षा बैठक की।

डॉ. एन.पी. सिंह ने कहा कि श्रीगंगानगर में फूलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए, साथ ही बागवानी वैज्ञानिक फलों, फूलों और सब्जियों की खेती के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहराई से शोध कार्य करें, ताकि किसानों को लाभ मिल सके। उन्होंने खजूर की कटाई के बाद उसके प्रसंस्करण पर विशेष ध्यान देने की बात कही। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि सभी कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ विशिष्टता के साथ शिक्षण व शोध का कार्य करे।

बैठक में भाग लेते कृषि वैज्ञानिक। (प्रेम)

उन्होंने कहा कि सामुदायिक विभाग महाविद्यालय के बाजरा बिस्कुट और उद्यान विभाग के विभिन्न फलों के स्क्वैश से कैंडी निर्माण की तर्ज पर सभी विभागों के अपने अलग उत्पाद हों।

बैठक में एस.के.आर.ए.यू. के अंतर्गत आने वाले 6 जिलों बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, झुंझुनूं व जैसलमेर के बागवानी वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

श्रीगंगानगर में फूलों की खेती को मिले बढ़ावा- डॉ. एन पी सिंह

बागवानी वैज्ञानिकों के साथ बांदा कृषि विश्वविद्यालय और एसकेआरएयू कुलपति ने ली समीक्षा बैठक

बीकानेर, 2 अप्रैल। बांदा कृषि विश्वविद्यालय (यूपी) के कुलपति डॉ एनपी सिंह और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरूण कुमार ने मंगलवार को कृषि महाविद्यालय परिसर में बागवानी वैज्ञानिकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने कहा कि श्रीगंगानगर में फूलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही कहा कि बागवानी वैज्ञानिक फलों, फूलों, और सब्जियों की खेती के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहराई से शोध कार्य करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिल सके। साथ ही सिंह ने खजूर की कटाई के बाद उसके प्रसंस्करण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

समीक्षा बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि सभी कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ विशिष्टता के साथ शिक्षण व शोध का कार्य करे।कुलपति ने कहा कि सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा बिस्कुट और उद्यान विभाग के विभिन्न फलों के स्क्वैश व कैंडी निर्माण की तर्ज पर सभी विभागों के अपने अलग उत्पाद हों।डॉ अरूण कुमार ने सभी विभागों में समीक्षा बैठक माह के अंत तक करवाने के निर्देश भी दिए।

इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पी के यादव ने विभाग में चल रही विभिन्न परियोजनाओं , स्नातक, स्नातकोत्तर, एवं शोध के विषय की विभिन्न जानकारी दी। बैठक के अंत में अनुसंधान निदेशक डॉ पी एस शेखावत ने सभी सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में एसकेआरएयू के अंतर्गत आने वाले छह जिलों बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, झुंझुनूं व जैसलमेर के बागवानी वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

बागवानी वैज्ञानिकों के साथ बांदा कृषि विश्वविद्यालय और एसकेआरएयू कुलपति ने ली समीक्षा बैठक

श्रीगंगानगर में फूलों की खेती को मिले बढ़ावा - डॉ एन पी सिंह

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। बांदा कृषि विश्वविद्यालय (यूपी) के कुलपति डॉ एनपी सिंह और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरूण कुमार ने मंगलवार को कृषि महाविद्यालय परिसर में बागवानी वैज्ञानिकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में डॉ एनपी सिंह ने कहा कि श्रीगंगानगर में फूलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही कहा कि बागवानी वैज्ञानिक फलों, फूलों, और सब्जियों की खेती के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहराई से शोध कार्य करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिल सके। साथ ही श्री सिंह ने खजूर की कटाई के बाद उसके प्रसंस्करण पर विशेष

ध्यान देने की आवश्यकता बताई। समीक्षा बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि सभी कृषि वैज्ञानिक, शिक्षक एवं विषय वस्तु विशेषज्ञ विशिष्टता के साथ शिक्षण व शोध का कार्य करे। कुलपति ने कहा कि सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के बाजरा बिस्कुट और उद्यान विभाग के विभिन्न फलों के स्क्वैश व कैंडी निर्माण की तर्ज पर सभी विभागों के अपने अलग उत्पाद हों। डॉ अरूण कुमार ने सभी विभागों में समीक्षा बैठक माह के अंत तक करवाने के निर्देश भी दिए। इससे पूर्व कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता एवं उद्यान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ पी के यादव ने विभाग में चल रही विभिन्न परियोजनाओं , स्नातक, स्नातकोत्तर, एवं शोध के विषय की विभिन्न जानकारी दी। बैठक के अंत में अनुसंधान निदेशक डॉ पी एस शेखावत ने सभी सहभागियों का धन्यवाद ज्ञापित किया।

बैठक में एसकेआरएयू के अंतर्गत आने वाले छह जिलों बीकानेर, चूरू, हनुमानगढ़, श्रीगंगानगर, झुंझुनूं व जैसलमेर के बागवानी वैज्ञानिकों ने हिस्सा लिया।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 03-04-2024

बीक

वैज्ञानिक फलों, फूलों, और सब्जियों की खेती के सभी पहलू ध्यान में रख करें शोध

बीकानेर | बांदा कृषि विश्वविद्यालय (यूपी) के कुलपति डॉ एनपी सिंह और स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने मंगलवार को कृषि महाविद्यालय परिसर में बागवानी वैज्ञानिकों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी सिंह ने कहा कि श्रीगंगानगर में फूलों की खेती को बढ़ावा दिया जाए। साथ ही कहा कि बागवानी वैज्ञानिक फलों, फूलों, और सब्जियों की खेती के सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए गहराई से शोध कार्य करें। ताकि किसानों को इसका लाभ मिले।

नवज्योति दि:04:04:24

किसानों को मार्केट से जुड़ने और व्यापारी बनने की जरूरत: डॉ एन.पी.सिंह

न्यूज सर्विस/नवज्योति, बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की श्रीमती अनिता, लुणकरणसर से श्री मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की। बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में ना बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग कर-के बेचे कम लागत में आधुनिक खेती करने की जरूरत है। साथ ही कहा कि कृषि वैज्ञानिक नए शोध के साथ साथ किसानों के द्वारा किए गए इनोवेशन को सर्टिफिकेशन के साथ सभी किसानों तक पहुंचाएं। उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं। साथ ही कहा कि राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है। साथ ही बांस की खेती जमीन व पानी का संरक्षण और प्रदूषण को रोकने में सहायक है। महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है। लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी ज़ोधपुर के निदेशक डॉ जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक दिन दुगुनी और रात चौगुनी मेहनत कर किसानों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने की पूरी कोशिश करेंगे। इससे पूर्व प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में पिछले छह महीने की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही सभी केवीके इंचार्ज ने पॉवर पोइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रगति बताई। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। झुंझुनं केवीके इंचार्ज डॉ दयानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में सभी डीन डायरेक्टर समेत अन्य कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

19 अप्रैल को सूखा दिवस घोषित : लोकसभा चुनाव के तहत सूखा दिवस घोषित किया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने बताया कि बीकानेर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में मतदान प्रथम चरण में 19 अप्रैल को होंगे। 17 अप्रैल शाम 6 से 19 अप्रैल सायं 6 बजे तक बीकानेर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में सूखा घोषित किया गया है । आदेशानुसार जिन क्षेत्रों में मतदान होंगे उन क्षेत्रों के बाहर के सीमावर्ती 3 किलोमीटर परिधि क्षेत्रों में मतदान समाप्ति के 48 घंटे पूर्व से मतदान समाप्ति सायं 6 बजे तक सूखा घोषित किया गया है। साथ ही पुनर्मतदान की स्थिति में पुनर्मतदान की घोषणा से पुनर्मतदान की तिथि को संबंधित मतदान केंद्र के क्षेत्र में 6 बजे तक सूखा दिवस घोषित किया गया है। मतगणना दिवस 4 जून को भी सूखा दिवस घोषित किया गया है।

राजस्थान में बांस की खेती को दिया जा सकता है बढ़ावा

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में न बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग करके बेचे।

उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है, जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं।

साथ ही कहा कि राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है।

कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक दिन दोगुनी और रात चौगुनी मेहनत कर किसानों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने की पूरी कोशिश करेंगे

दैनिक भास्कर
बीकानेर 04-04-2024

गन्ने और मक्के से कहीं ज्यादा लाभदायक है बांस, राजस्थान में खेती को दें बढ़ावा

किसान बनें व्यापारी, बांस से मिलता है बेहतरीन एथेनॉल, होता है जल संरक्षण

बीकानेर| उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं। सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है। साथ ही बांस की खेती जमीन व पानी का संरक्षण और प्रदूषण को रोकने में सहायक है।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की अनिता, लुणकरणसर से मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की। बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। महानिदेशक ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है। लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ. जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कहीं।

पंजाब केसरी
THU,04 APRIL 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्रसार सलाहकार समिति की हुई बैठक

बैठक को संबोधित करते वक्ता। (प्रेम)

बीकानेर, 3 अप्रैल (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की।

प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की अनिता, लुणकरणसर से मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की। बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी. सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनकर मार्केट से जोड़ने की जरूरत है, तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में ना बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग करके बेचे।

उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधें से उत्पादन कर रहा है, ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है, जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी उगा सकते हैं, साथ ही कहा कि राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है, साथ ही बांस की खेती जमीन व पानी का संरक्षण और प्रदूषण को रोकने में सहायक है।

अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ. जे.पी. मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही। कुलपति डॉ. अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक दिन दुगुनी और रात चौगुनी मेहनत कर किसानों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने की पूरी कोशिश करेंगे। इससे पूर्व प्रसार निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में पिछले छह महीने की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की, साथ ही सभी केवीके इंचार्ज ने पॉवर पोइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रगति बताई।

किसानों को मार्केट से जुड़ने और व्यापारी बनने की जरूरत : डा. सिंह

बीकानेर, 3 अप्रेल (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डा. एनपी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डा. संजय सिंह थे। अध्यक्षता कुलपति डा. अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की श्रीमती अनिता, लुणकरणसर से श्री मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की।

बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में ना बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग करके बेचे।कम लागत में आधुनिक खेती करने की जरूरत है। साथ ही कहा कि कृषि वैज्ञानिक नए शोध के साथ साथ किसानों के द्वारा किए गए इनोवेशन को सर्टिफिकेशन के साथ सभी किसानों तक पहुंचाएं। उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डा. संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं।

महानिदेशक डा. संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है। लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी जोधपुर के निदेशक डा. जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही।

किसानों को मार्केट से जुड़ने और व्यापारी बनने की जरूरत - डॉ एन. पी. सिंह

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एन पी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह थे।

बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की श्रीमती अनिता, लुणकरणसर से मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की।

बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एन पी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा।

उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं।

महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है।

लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही।

कुलपति डॉ अरूण कुमार , पूर्व प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने भी विचार रखे। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया।

झुंझुनं केवीके इंचार्ज डॉ दयानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

किसानों को मार्केट से जुड़ने और व्यापारी बनने की जरूरत- डॉ एन.पी.सिंह

बीकानेर, 03 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की श्रीमती अनिता, लुणकरणसर से श्री मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की।

बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में ना बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग करके बेचे।कम लागत में आधुनिक खेती करने की जरूरत है। साथ ही कहा कि कृषि वैज्ञानिक नए शोध के साथ साथ किसानों के द्वारा किए गए इनोवेशन को सर्टिफिकेशन के साथ सभी किसानों तक पहुंचाएं।

उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं। साथ ही कहा कि राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है। साथ ही बांस की खेती जमीन व पानी का संरक्षण और प्रदूषण को रोकने में सहायक है। महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है। लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक दिन दुगुनी और रात चौगुनी मेहनत कर किसानों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने की पूरी कोशिश करेंगे। इससे पूर्व प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में पिछले छह महीने की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही सभी केवीके इंचार्ज ने पॉवर पोइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रगति बताई। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। झुंझुनं केवीके इंचार्ज डॉ दयानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में सभी डीन डायरेक्टर समेत अन्य कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

प्रशान्त ज्योति श्रीगंगानगर

किसानों को मार्केट से जुड़ने और व्यापारी बनने की जरूरत- डॉ. एन.पी.सिंह

एक ही पौधे में टमाटर, बैंगन और आलू का हो रहा उत्पादन, शहरों में इसे प्रोत्साहित करने की जरूरत- डॉ संजय सिंह

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की श्रीमती अनिता, लुणकरणसर से मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की।

बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में ना बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग करके बेचे। कम लागत में आधुनिक खेती करने की जरूरत है। साथ ही कहा कि कृषि वैज्ञानिक नए शोध के साथ साथ किसानों के द्वारा किए गए इनोवेशन को सर्टिफिकेशन के साथ सभी किसानों तक पहुंचाएं।

उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं। साथ ही कहा कि राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है। साथ ही बांस की खेती जमीन व पानी का संरक्षण और प्रदूषण को रोकने में सहायक है।

महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है। लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक दिन दुगुनी और रात चौगुनी मेहनत कर किसानों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने की पूरी कोशिश करेंगे। इससे पूर्व प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में पिछले छह महीने की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही सभी केवीके इंचार्ज ने पॉवर पोइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रगति बताई। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। झुंझुनं केवीके इंचार्ज डॉ दयानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में सभी डीन डायरेक्टर समेत अन्य कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

किसानों को मार्केट से जुड़ने और व्यापारी बनने की जरूरतः डॉ एनपीसिंह

एक ही पौधे में टमाटर, बैंगन और आलू का हो रहा उत्पादन, शहरों में इसे प्रोत्साहित करने की जरूरतः डॉ संजय सिंह

तेज. रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की श्रीमती अनिता, लुणकरणसर से मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की। बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में ना बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग करके बेचे।कम लागत में आधुनिक खेती करने की जरूरत है। साथ ही कहा कि कृषि वैज्ञानिक नए शोध के साथ साथ किसानों के द्वारा किए गए इनोवेशन को सर्टिफिकेशन के साथ सभी किसानों तक पहुंचाएं। उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं। साथ ही कहा कि राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है। साथ ही बांस की खेती जमीन व पानी का संरक्षण और प्रदूषण को रोकने में सहायक है। महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है। लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक दिन दुगुनी और रात चौगुनी मेहनत कर किसानों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने की पूरी कोशिश करेंगे। इससे पूर्व प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में पिछले छह महीने की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही सभी केवीके इंचार्ज ने पॉवर पोइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रगति बताई। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। झुंझुनं केवीके इंचार्ज डॉ दयानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में सभी डीन डायरेक्टर समेत अन्य कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

किसानों को मार्केट से जुड़ने और व्यापारी बनने की जरूरत : कुलपति डॉ. सिंह

» एक ही पौधे में टमाटर, बैंगन और आलू का हो रहा उत्पादन, इसे प्रोत्साहन की जरूरत- डॉ. सिंह » कृषि विवि. में प्रसार सलाहकार समिति की बैठक में बोले अतिथि » राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा देने की जरूरत, गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है बांस से एथेनॉल उत्पादन

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की श्रीमती अनिता, लूणकरणसर से श्री मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लूणा ने मंच पर भागीदारी की। बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एन.पी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में ना बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग करके बेचे। कम लागत में आधुनिक खेती करने की जरूरत है। साथ ही कहा कि कृषि वैज्ञानिक नए शोध के साथ साथ किसानों के द्वारा किए गए इनोवेशन को सर्टिफिकेशन के साथ सभी किसानों तक पहुंचाएं।

उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं। साथ ही कहा कि राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है। साथ ही बांस की खेती जमीन व पानी का संरक्षण और प्रदूषण को रोकने में सहायक है।

महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है। लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही। कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक दिन दुगुनी और रात चौगुनी मेहनत कर किसानों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने की पूरी कोशिश करेंगे। इससे पूर्व प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में पिछले छह महीने की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही सभी केवीके इंचार्ज ने पॉवर पोइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रगति बताई। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया।

स्वामी केशनवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में प्रसार सलाहकार समिति की बैठक

राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा देने की जरूरत, गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है बांस से एथेनॉल उत्पादन

(लोकमत, संवाद)।

बीकानेर, 03 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में बुधवार को प्रसार सलाहकार समिति की बैठक हुई। बैठक में मुख्य अतिथि बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह और विशिष्ट अतिथि उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह थे। बैठक की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। प्रगतिशील किसान झुंझुनूं की श्रीमती अनिता, लुणकरणसर से श्री मुकेश कुमार और बीकानेर से विरेन्द्र लुणा ने मंच पर भागीदारी की। बांदा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने कहा कि किसानों को व्यापारी बनने की जरूरत है। उन्हें मार्केट से जोड़ने की जरूरत है। तभी किसान अपनी आय बढ़ा पाएगा। किसान अपनी उपज रॉ मटेरियल के रूप में सीधे मार्केट में ना बेचकर उसे वैल्यू एडिशन करके और प्रोसेसिंग करके बेचे।कम लागत में आधुनिक खेती करने की जरूरत है। साथ ही कहा कि कृषि वैज्ञानिक नए शोध के साथ साथ किसानों के द्वारा किए गए इनोवेशन को सर्टिफिकेशन के साथ सभी किसानों तक पहुंचाएं।

उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ वेजिटेबल साइंस बनारस टमाटर, बैंगन और आलू तीनों को एक ही पौधे से उत्पादन कर रहा है। ऐसी खेती को बढ़ावा देने की भी जरूरत है जो शहर के लोग अपने घर में गमले में भी इसे कर सकते हैं। साथ ही कहा कि राजस्थान में बांस की खेती को बढ़ावा दिया जा सकता है। सरकार एथेनॉल उत्पादन को बढ़ावा दे रही है। बांस के बीच के हिस्से से बहुत अच्छी क्वालिटी का एथेनॉल मिलता है। बांस से एथेनॉल का उत्पादन गन्ने और मक्के से भी ज्यादा फायदेमंद है। साथ ही बांस की खेती जमीन व पानी का संरक्षण और प्रदूषण को रोकने में सहायक है।

महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कहा कि राजस्थान में लेमन ग्रास और खस घास की खेती को भी बढ़ावा दिया जा सकता है। जिनमें पानी की जरूरत कम होती है। लेमन ग्रास का तेल 8 हजार प्रति लीटर और खस घास का तेल 3 हजार रू प्रति लीटर बिकता है। अटारी जोधपुर के निदेशक डॉ जेपी मिश्रा ने कृषि विज्ञान केन्द्रों को एकला चलो की बजाय आपस में समन्वय के साथ चलने, डिजिटिलाइजेशन पर ध्यान केन्द्रित करने व स्पेस और स्कोप को बढ़ाने की बात कही।

कुलपति डॉ अरूण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक दिन दुगुनी और रात चौगुनी मेहनत कर किसानों के चेहरों पर मुस्कुराहट लाने की पूरी कोशिश करेंगे। इससे पूर्व प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में पिछले छह महीने की प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत की। साथ ही सभी केवीके इंचार्ज ने पॉवर पोइंट प्रजेंटेशन के जरिए प्रगति बताई। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। झुंझुनं केवीके इंचार्ज डॉ दयानंद ने धन्यवाद ज्ञापित किया। बैठक में सभी डीन डायरेक्टर समेत अन्य कृषि वैज्ञानिक उपस्थित थे।

फसल उत्पादन की लागत कम कर आय बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास करें

एसकेआरएयू कुलपति ने किया कृषि अनुसंधान केन्द्र का निरीक्षण

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने गुरुवार को कृषि अनुसंधान केन्द्र का निरीक्षण किया।

इस दौरान कृषि अनुसंधान केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक (अनुसंधान) डॉ. एस आर यादव ने केंद्र पर किसानों के लिए लाभदायक अनुसंधान कार्यों के बारे में अवगत कराया। केंद्र पर चना, बाजरा, प्याज एवं काचरी आदि के बीज उत्पादन तथा अनार के बगीचे का अवलोकन करवाया।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि कृषि अनुसंधान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक विभिन्न अनुसंधानों को किसानों तक पहुंचाकर, फसल उत्पादन की लागत कम कर आय बढ़ाने के लिए सार्थक प्रयास करें। साथ ही वैज्ञानिकों को मृदा स्वास्थ्य, पर्यावरण अनुकूल एवं टिकाऊ उत्पादन तकनीक विकसित करने के लिए निर्देशित किया।

इस दौरान बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी सिंह ने केन्द्र के वैज्ञानिकों को संरक्षित खेती, सिंचाई पानी का दक्षता पूर्वक उपयोग एवं विभिन्न स्थानीय पौधों की किस्मों पर विशेष अनुसंधान करने का सुझाव दिया।

उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ. संजय सिंह ने केंद्र पर चल रहे राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना अंतर्गत ऊनी अपशिष्टों का प्याज पर प्रभाव परीक्षण के अंतर्गत ऊनी अपशिष्टों के पोषक तत्वों एवं भूमि पर प्रभाव के आकलन करने का सुझाव दिया तथा शुष्क खेती के अंतर्गत जल बचत, मल्चिंग एवं कम लागत की तकनीकों पर अनुसंधान की आवश्यकता बताई।

कृषि विज्ञान केन्द्र जैसलमेर ने किया खड़ीन में चना की प्राकृतिक खेती

>> प्रसंस्करण आयाम विषयक पर भी किया कृषक जागरुकता कार्यक्रम

जैसलमेर। कृषि विज्ञान केन्द्र जैसलमेर द्वारा खड़ीन में चना की प्राकृतिक खेती एवम प्रसंस्करण आयाम विषयक कृषक जागरुकता कार्यक्रम का डबलापार रामगढ़ जैसलमेर में आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉ अरुण कुमार, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने कृषको को अपने प्रयासों को खड़ीन चने एवम गेहूं के मूल्य संवर्धित उत्पाद निर्माण एवं प्रसंस्करण की दिशा में कार्य करने का आव्हान किया। डॉ संजय सिंह महानिदेशक कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ ने खड़ीन में बांस की खेती को अपनाने एवम थारपारकर की गाय , देशी बकरी के दूध के उत्पाद पर भी काम करने को कहा।

डा एन पी सिंह, कुलपति, बांदा कृषि विश्वविद्यालय, उत्तर प्रदेश ने खड़ीन के किसानों को संगठित रूप से खेती करके संगठन बना कर अपनी उपज को सीधे बाजार से जुड़ने की जरूरत बताई। कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने बताया कि खड़ीन महिला कृषकों के प्रसंस्कृत उत्पादों पर प्रशिक्षण के साथ कौशल बढ़ाने और लघु उद्यम रूप में इसे जिले में शुरू करने को प्रोत्साहित किया ताकि खड़ीन की उपज चना को उचित पहचान के साथ दाम भी मिले। उन्होंने गेहूं एवम चना की बेहतर किस्म किसानों के बीच केंद्र द्वारा जल्दी ही प्रदर्शित करने पर जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ दीपक चतुर्वेदी ने खड़ीन की उपज के सही दाम प्रसंस्करण के माध्यम से किसानों को मिले इस उद्देश्य से किए जा रहे केंद्र गतिविधियों पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का संचालन केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ. चारू शर्मा ने करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर द्वारा खड़ीन चना मूल्य संवर्धित कौशल विकास प्रशिक्षण एवम महिला कृषकों के समूह निर्माण गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यक्रम में कुलपति कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर द्वारा हमीरा गांव जैसलमेर की प्रगतिशील किसान साकू देवी को बाजरा प्रसंकरण उद्यम कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया।

कार्यक्रम में रामगढ़ के प्रगतिशील किसान चतर सिंह जाम ने खड़ीन के किसानों को एकजुट होकर कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किए जा रहे कार्यों से खड़ीन के किसानों को एक साथ जुड़कर काम करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में एकलापार डबलापर खड़ीन के कृषकों ने भाग लेकर अपने विचार साझा किए। मृदा वैज्ञानिक डॉ बबलू शर्मा ने अपने विचार व्यक्त व कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु व्यवस्थाऐ देखी।

कार्यक्रम में कृषि विज्ञान केंद्र, पोकरण के वरिष्ठ वैज्ञानिक व अध्यक्ष डॉ दशरथ प्रसाद साथ रहे।

प्राकृतिक खेती एवं प्रसंस्करण आयाम को लेकर किया जागरुक

जैसलमेर . कर्यक्रम में उपस्थित अतिथि व संभागी।

पत्रिका

जैसलमेर @ पत्रिका . कृषि विज्ञान केन्द्र जैसलमेर की ओर से खड़ीन में चना की प्राकृतिक खेती एवं प्रसंस्करण आयाम विषयक कृषक जागरुकता कार्यक्रम का डबलापार रामगढ़ जैसलमेर में आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अध्यक्ष कुलपति डॉ. अरुण कुमार, स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय ने कृषकों को अपने प्रयासों को खड़ीन चने एवं गेहूं के मूल्य संवर्धित उत्पाद निर्माण एवम प्रसंस्करण की दिशा में कार्य करने को कहा।

कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ के महानिदेशक संजयसिंह ने खड़ीन में बांस की खेती को अपनाने एवं थारपारकर की गाय, देशी बकरी के दूध के उत्पाद पर भी काम करने को कहा। डॉ. एनपी सिंह, कुलपति, बांदा कृषि विश्वविद्यालय, उत्तरप्रदेश ने खड़ीन के किसानों संगठित रूप में खेती करके संगठन बना कर अपनी उपज सीधे बाजार से जुड़ने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने खड़ीन महिला कृषकों के प्रसंस्कृत उत्पादों पर प्रशिक्षण के साथ कौशल बढ़ाने और लघु उद्यम रूप में इसे जिले में शुरू करने को प्रोत्साहित किया ताकि खड़ीन की उपज चना को उचित पहचान के साथ दाम भी मिले। उन्होंने गेहूं एवं चने की बेहतर किस्म किसानों के बीच केंद्र की ओर से जल्दी ही प्रदर्शित करने पर जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने खड़ीन की उपज के सही दाम प्रसंस्करण के माध्यम से किसानों को मिले इस उद्देश्य से किए जा रहे केंद्र गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन केंद्र की गृह वैज्ञानिक चारू शर्मा ने करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर द्वारा खड़ीन चना मूल्य संवर्धित कौशल विकास प्रशिक्षण एवम महिला कृषकों के समूह निर्माण गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलपति ने हमीरा गांव जैसलमेर की प्रगतिशील किसान साकू देवी को बाजरा प्रसंकरण उद्यम कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रामगढ़ के प्रगतिशील किसान चतरसिंह जाम ने खड़ीन के किसानों को एकजुट होकर कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किए जा रहे कार्यों से खड़ीन के किसानों को एक साथ जुडकर काम करने पर जोर दिया। कार्यक्रम में एकलापार, डबलापर खड़ीन के कृषकों ने भाग लेकर अपने विचार साझा किए।

दैनिक भास्कर
जैसलमेर-पोकरण भास्कर 05-04-2024

खड़ीन में चना की प्राकृतिक खेती विषय पर कृषक जागरुकता कार्यक्रम का आयोजन

भास्कर संवाददाता | जैसलमेर

कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर द्वारा खड़ीन में चना की प्राकृतिक खेती एवं प्रसंस्करण आयाम विषयक पर कृषक जागरुकता कार्यक्रम का डबलापार रामगढ़ में आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहें स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कृषकों को अपने प्रयासों को खड़ीन चने एवं गेहूं के मूल्य संवर्धित उत्पाद निर्माण एवं प्रसंस्करण की दिशा में कार्य करने को कहा।

महानिदेशक कृषि अनुसंधान परिषद लखनऊ डॉ. संजयसिंह ने खड़ीन में बांस की खेती को अपनाने एवं थारपारकर की गाय, देशी बकरी के दूध के उत्पाद पर भी काम करने को कहा। वहीं बांदा कृषि विश्वविद्यालय उत्तर प्रदेश कुलपति डॉ. एनपी सिंह ने खड़ीन के किसानों को संगठित रूप में खेती करके संगठन बनाकर अपनी उपज के माध्यम से सीधे बाजार से जुड़ने की आवश्यकता बताई। कार्यक्रम में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने खड़ीन महिला कृषकों के प्रसंस्कृत उत्पादों पर प्रशिक्षण के साथ कौशल बढ़ाने और लघु उद्यम रुप में इसे जिले में शुरू करने को प्रोत्साहित किया ताकि खड़ीन की उपज चना को उचित पहचान के साथ दाम भी मिलें। उन्होंने गेहूं एवं चना की बेहतर किस्म किसानों के बीच केंद्र द्वारा जल्दी ही प्रदर्शित करने पर जानकारी दी।

जैसलमेर. कार्यक्रम के दौरान उपस्थित किसान।

कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. दीपक चतुर्वेदी ने खड़ीन की उपज के सही दाम प्रसंस्करण के माध्यम से किसानों को मिले इस उद्देश्य से किए जा रहें केंद्र की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ. चारु शर्मा ने करते हुए कृषि विज्ञान केंद्र जैसलमेर द्वारा खड़ीन चना मूल्य संवर्धित कौशल विकास प्रशिक्षण एवं महिला कृषकों के समूह निर्माण गतिविधियों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। कार्यक्रम में कुलपति डॉ. अरुण कुमार द्वारा हमीरा गांव जैसलमेर की प्रगतिशील किसान साकू देवी को बाजरा प्रसंस्करण उद्यम कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र प्रदान करके सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में रामगढ़ के प्रगतिशील किसान चतरसिंह जाम ने खड़ीन के किसानों को एकजुट होकर कृषि विज्ञान केंद्र द्वारा किए जा रहें कार्यों से खड़ीन के किसानों को एक साथ जुड़कर काम करने पर जोर दिया।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 05-04-2024

बीकानेर

किसानों की आय बढ़ाने का प्रयास करें वैज्ञानिक

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह और उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कृषि अनुसंधान केन्द्र का विजिट किया।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि कृषि अनुसंधान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक विभिन्न अनुसंधानों को किसानों तक पहुंचाकर, फसल उत्पादन की लागत कम करने तथा आय बढ़ाने हेतु सार्थक प्रयास करें। इस दौरान कृषि डॉ. पीके यादव, डॉ. पीसी गुप्ता, डॉ. एके शर्मा, प्रो. सुजीत कुमार यादव समेत कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं स्टाफ उपस्थित मौजूद रहा।

कृषि वैज्ञानिक विभिन्न कृषि अनुसंधानों को किसानों तक पहुंचा कर उनकी आय बढ़ाने का करें सार्थक प्रयास – कुलपति, डॉ. अरुण कुमार

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. एनपी सिंह और उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कृषि अनुसंधान केन्द्र का विजिट किया। इस दौरान कृषि अनुसंधान केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ. एस आर यादव ने केंद्र पर किसानों के लिये लाभदायक अनुसंधान कार्यों के बारे में अवगत कराया एवं केन्द्र पर संचालित विभिन्न अखिल भारतीय परियोजनाओं जैसे चारा प्रबंधन, शुष्क फल, मृदा परीक्षण,फसल अनुक्रिया, लवण ग्रस्त मृदाओं एवं कृषि में खारे जल का उपयोग, राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना एवं केन्द्र परीक्षणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही केंद्र पर चना, बाजरा, प्याज एवं काचरी आदि के बीज उत्पादन तथा अनार के बगीचे का अवलोकन करवाया।इस दौरान कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी. के. यादव, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ. पी. सी. गुप्ता, मानव संसाधन विकास निदेशालय निदेशक डॉ. ए. के. शर्मा, प्रो सुजीत कुमार यादव समेत कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं स्टाफ उपस्थित मौजूद रहा।

कृषि वैज्ञानिक विभिन्न कृषि अनुसंधानों को किसानों तक पहुंचा कर उनकी आय बढ़ाने का करें सार्थक प्रयास : डॉ अरुण कुमार

(लोकमत, संवाद)।

बीकानेर, 04 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार, बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह और उत्तरप्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने कृषि अनुसंधान केन्द्र का विजिट किया। इस दौरान कृषि अनुसंधान केंद्र के क्षेत्रीय निदेशक अनुसंधान डॉ एस आर यादव ने केंद्र पर किसानों के लिये लाभदायक अनुसंधान कार्यों के बारे में अवगत कराया एवं केन्द्र पर संचालित विभिन्न अखिल भारतीय परियोजनाओं जैसे चारा प्रबंधन, शुष्क फल, मृदा परीक्षण, फसल अनुक्रिया, लवण ग्रस्त मृदाओं एवं कृषि में खारे जल का उपयोग,राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना एवं केन्द्र परीक्षणों के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही केंद्र पर चना, बाजरा, प्याज एवं काचरी आदि के बीज उत्पादन तथा अनार के बगीचे का अवलोकन करवाया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि कृषि अनुसंधान केंद्र के कृषि वैज्ञानिक विभिन्न अनुसंधानों को किसानों तक पहुंचाकर, फसल उत्पादन की लागत कम कर आय बढ़ाने हेतु सार्थक प्रयास करें। साथ ही वैज्ञानिकों को मृदा स्वास्थ्य, पर्यावरण अनुकूल एवं टिकाऊ उत्पादन तकनीक विकसित करने हेतु निर्देशित किया। बांदा कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ एनपी सिंह ने केन्द्र के वैज्ञानिकों को संरक्षित खेती, सिंचाई पानी का दक्षता पूर्वक उपयोग एवं विभिन्न स्थानीय पौधों किस्मों पर विशेष अनुसंधान करने का सुझाव दिया। साथ ही राजस्थान प्रदेश की पारिस्थितिकी एवं किसानों की आवश्यकता के अनुसार अनुसंधान करने पर जोर दिया। उत्तर प्रदेश कृषि अनुसंधान परिषद के महानिदेशक डॉ संजय सिंह ने केंद्र पर चल रहे राष्ट्रीय कृषि विकास परियोजना अंतर्गत ऊनी अपशिष्टों का प्याज पर प्रभाव परीक्षण के अंतर्गत ऊनी अपशिष्टों के पोषक तत्वों एवं भूमि पर प्रभाव के आकलन करने का सुझाव दिया तथा शुष्क खेती के अंतर्गत जल बचत, मल्चिंग एवं कम लागत की तकनीकों पर अनुसंधान की आवश्यकता बताई तथा विश्वविद्यालय द्वारा कम पानी चाहने वाली फसलों / किस्मों पर विशेष कार्य करने की सलाह दी। इस दौरान कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. पी.के. यादव, अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ. पी.सी.गुप्ता, मानव संसाधन विकास निदेशालय निदेशक डॉ.ए.के.शर्मा, प्रो. सुजीत कुमार यादव समेत कृषि अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं स्टाफ उपस्थित मौजूद रहा।

एसकेआरएयू में कुलपति डॉ अरुण कुमार का नवाचार

कुलपति सचिवालय के बाहर शिकायत और सुझाव पेटी लगवाई

बीकानेर, 06 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने नवाचार करते हुए शनिवार को कुलपति सचिवालय के बाहर शिकायत और सुझाव पेटी लगवाई। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र कुमार खत्री समेत सभी डीन, डायरेक्टर की उपस्थिति में इसे लगवाया।

इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शिकायत और सुझाव पेटी कृषि विश्वविद्यालय को और आगे ले जाने में व त्वरित निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होगी। शिकायत व सुझाव पेटी को सात दिन में एक बार कुलपति व कुलसचिव की उपस्थिति में खोला जाएगा। पेटी में मिलने वाले अच्छे सुझावों पर तत्काल अमल किया जाएगा। साथ ही इस पेटी में कोई शिकायत मिलती है तो उसकी हर एंगल से जांच करवा कर ही निर्णय लिया जाएगा। शिकायत कर्ता का नाम, पता, हस्ताक्षर व पर्याप्त साक्ष्य होने पर ही आगामी कार्रवाई की जाएगी। शिकायतकर्ता का नाम व पता गुप्त रखा जाएगा।

कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने कहा कि शिकायत और सुझाव पेटी से विश्वविद्यालय को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि निंदक नियरे राखिए की तर्ज पर हमें शिकायतों पर भी तत्काल निर्णय करना चाहिए। साथ ही इसके जरिए कुछ अच्छे सुझाव भी प्राप्त होंगे। जिसका लाभ विश्वविद्यालय को मिलेगा।.

एसकेआरएयू में कुलपति डॉ अरुण कुमार का नवाचार, कुलपति सचिवालय के बाहर शिकायत और सुझाव पेटी लगवाई

बीकानेर (लोकमत, संवाद)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने नवाचार करते हुए शनिवार को कुलपति सचिवालय के बाहर शिकायत और सुझाव पेटी लगवाई। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र कुमार खत्री समेत सभी डीन, डायरेक्टर की उपस्थिति में इसे लगवाया। इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि शिकायत और सुझाव पेटी कृषि विश्वविद्यालय को और आगे ले जाने में व त्वरित निर्णय लेने में सहायक सिद्ध होगी। शिकायत व सुझाव पेटी को सात दिन में एक बार कुलपति व कुलसचिव की उपस्थिति में ही खोला जाएगा। अच्छे सुझावों पर अमल किया जाएगा। साथ ही कहा कि इस पेटी में कोई शिकायत मिलती है तो उसकी हर एंगल से जांच करवा कर निर्णय लिया जाएगा। शिकायत कर्ता का नाम, पता, हस्ताक्षर व पर्याप्त साक्ष्य होने पर ही आगामी कार्रवाई की जाएगी। शिकायत कर्ता का नाम व पता गुप्त रखा जाएगा। कुलसचिव डॉ देवा राम सैनी ने कहा कि शिकायत और सुझाव पेटी से विश्वविद्यालय को नई गति मिलेगी। उन्होंने कहा कि निंदक नियरे राखिए की तर्ज पर हमें शिकायतों पर भी तत्काल निर्णय करना चाहिए। साथ ही इसके जरिए कुछ अच्छे सुझाव भी प्राप्त होंगे। जिसका लाभ विश्वविद्यालय को मिलेगा।

अमेरिकन मुर्गी आइलैंड रेड नस्ल का उत्पादन शुरू

केवीके के तहत स्थापित इकाई में अंडों से 70 चूजे बाहर आए

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकी मुर्गी आइलैंड रेड नस्ल इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के तहत विश्वविद्यालय परिसर में यह इकाई स्थापित की गई थी। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में प्रॉसेस में लगे हैं। इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गो की खरीद की गई थी। कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनूं जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल हैं, लेकिन वहां व्हाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है। बीकानेर और इसके आसपास के जिले आइलैंड रेड नस्ल की मुर्गियों के उत्पादन का हब बन सकते हैं। पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एन.एस.दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर

कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित अमेरिकी मुर्गी नस्ल 'रोड आइलैंड रेड' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

किसानों को जल्द उपलब्ध करवाए जाएंगे 'रोड आइलैंड रेड' अमेरिकन मुर्गी नस्ल के चूजे- डॉ अरुण कुमार, कुलपति, एसकेआरएयू

बदलते पर्यावरण में बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए अच्छा विकल्प बन सकता है रोड आइलैंड रेड मुर्गी नस्ल

ओम एक्सप्रेस

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकी मुर्गी नस्ल %%रोड आइलैंड रेड%% इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल +रोड आइलैंड रेड+ की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है । जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे। कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है।बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं। कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है। डॉ एन.एस.दहिया ने बताया कि रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है। यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाजार कीमत 20-22 रु. प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाजार में मुर्गी की कीमत 320 रू/ किलो है।

डॉ दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर है।देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक 180 अंडों की मांग के मुकाबले 95 अंडों की उपलब्धता है। इसी तरह प्रति व्यक्ति वार्षिक 11 किलो कुक्कुट मीट की मांग के मुकाबले केवल 7 किलो प्रति व्यक्ति की उपलब्धता है। लिहाजा अंडे और कुक्कुट मीट की बढ़ती मांग को देखते हुए मुर्गी पालन अच्छी कमाई वाला रोजगार का साधन है। बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए रोड आइलैंड रेड नस्ल अच्छा विकल्प है। लघु, सीमांत और भूमिहीन किसान कम लागत में 15 से 20 मुर्गियों से इसकी शुरुआत कर सकते हैं। विदित है कि डॉ एन.एस.दहिया इससे पहले केवीके झुंझुनूं में करीब 5 साल मुर्गी पालन की ट्रेनिंग दे चुके हैं जिसका प्रभाव झुंझुनूं और उसके आसपास के इलाकों में बड़े स्तर पर हो रहे मुर्गी पालन के रूप में देखा जा सकता है।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 11-04-2024

पहली बार स्थापित 'रोड आइलैंड रेड' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

अब बीकानेर के किसानों को मिल सकेंगे अमेरिकन मुर्गी की नस्ल के चूजे

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकन मुर्गी नस्ल ''रोड आइलैंड रेड'' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कृषि विश्वविद्यालय ने नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल ''रोड आइलैंड रेड'' की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली के अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए वेटरनरी विश्वविद्यालय से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी। दरअसल , राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है। बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं। कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. एनएस दहिया और सहायक आचार्य डॉ. कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है।

एक अंडे का बाजार मूल्य 20-22 रुपए

रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है। जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है। डॉ. एनएस दहिया ने बताया कि यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाजार कीमत 20-22 रुपए प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाजारर में मुर्गी की क्रीमत 320 रूपए किलो है।

▶ कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है। जल्द ही किसानों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे।

डॉ.अरुण कुमार, कुलपति, कृषि विश्वविद्यालय

पंजाब केसरी
THU,11 APRIL 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

कृषि विश्वविद्यालय में अमरीकी मुर्गी नस्ल 'रोड आइलैंड रेड' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

बीकानेर, 10 अप्रैल (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकी मुर्गी नस्ल 'रोड आइलैंड रेड' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमरीकन मुर्गी नस्ल 'रोड आइलैंड रेड' की इकाई स्थापित की गई।

समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसैस में लगे हैं।

विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है। जल्द ही किसान भाइयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे।

कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित अमेरिकन मुर्गी नस्ल 'रोड आइलैंड रेड' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकन मुर्गी नस्ल ' रोड आइलैंड रेड ' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल 'रोड आइलैंड रेड' की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है । जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे। बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं ।

कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है।

इबादत | (प्रातःकालीन दैनिक) हनुमानगढ़ (राजस्थान) गुरूवार 11 अप्रैल, 2024

» कृषि विश्वविद्यालय में अमेरिकन मुर्गी नस्ल ''रोड आइलैंड रेड'' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

किसानों को जल्द उपलब्ध करवाए जाएंगे 'रोड आइलैंड रेड'' अमेरिकन मुर्गी नस्ल के चूज़े- डॉ अरुण कुमार

बदलते पर्यावरण में बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए अच्छा विकल्प बन सकता है रोड आइलैंड रेड मुर्गी नस्ल

इबादत न्यूज

बीकानेर, 10 अप्रैल। स्वामी के शवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकन मुर्गी नस्ल ''रोड आइलैंड रेड'' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल 'रोड आइलैंड रेड' की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है। जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे।

कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है। बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है।

डॉ एन.एस.दहिया ने बताया कि रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है। यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाज़ार क़ीमत 20-22 रु. प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाज़ार में मुर्गी की क़ीमत 320 रू/ किलो है।

डॉ दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर है। देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक 180 अंडों की मांग के मुकाबले 95 अंडों की उपलब्धता है। इसी तरह प्रति व्यक्ति वार्षिक 11 किलो कुक्कुट मीट की मांग के मुकाबले केवल 7 किलो प्रति व्यक्ति की उपलब्धता है। लिहाजा अंडे और कुक्कुट मीट की बढ़ती मांग को देखते हुए मुर्गी पालन अच्छी कमाई वाला रोजगार का साधन है। बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए रोड आइलैंड रेड नस्ल अच्छा विकल्प है। लघु, सीमांत और भूमिहीन किसान कम लागत में 15 से 20 मुर्गियों से इसकी शुरुआत कर सकते हैं। विदित है कि डॉ एन.एस.दहिया इससे पहले केवीके झुंझुनूं में करीब 5 साल मुर्गी पालन की ट्रेनिंग दे चुके हैं जिसका प्रभाव झुंझुनूं और उसके आसपास के इलाकों में बड़े स्तर पर हो रहे मुर्गी पालन के रूप में देखा जा सकता है।

कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित अमेरिकी मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

किसानों को जल्द उपलब्ध करवाए जाएंगे रोड आइलैंड रेड अमेरिकन मुर्गी नस्ल के चूजे- डॉ अरुण कुमार

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकी मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड की इकाई स्थापित की गई।

समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं।

करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है। जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे।

कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है।

बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं। कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है। डॉ एन.एस.दहिया ने बताया कि रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है।

यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाजार कीमत 20-22 रु. प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाजार में मुर्गी की कीमत 320 रू/ किलो है।

डॉ दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर है। लिहाजा अंडे और कुक्कुट मीट की बढ़ती मांग को देखते हुए मुर्गी पालन अच्छी कमाई वाला रोजगार का साधन है।

बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए रोड आइलैंड रेड नस्ल अच्छा विकल्प है। लघु, सीमांत और भूमिहीन किसान कम लागत में 15 से 20 मुर्गियों से इसकी शुरुआत कर सकते हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित अमेरिकन मुर्गी नस्ल ''रोड आइलैंड रेड'' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

किसानों को जल्द उपलब्ध करवाए जाएंगे 'रोड आइलैंड रेड'' अमेरिकन मुर्गी नस्ल के चूजे- डॉ अरुण कुमार, कुलपति, एसकेआरएयू

बीकानेर और उसके आसपास के जिले बन सकते हैं रोड आइलैंड रेड मुर्गी उत्पादन के हब

बदलते पर्यावरण में बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए अच्छा विकल्प बन सकता है रोड आइलैंड रेड मुर्गी नस्ल

हिंदुस्तान से रूबरू

बीकानेर(सुरेश जैन) स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकन मुर्गी नस्ल ''रोड आइलैंड रेड'' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल "रोड आइलैंड रेड" की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए है। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है। जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे। कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है।बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते है। कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है। डॉ एन.एस.दहिया ने बताया कि रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है। यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाज़ार क़ीमत 20-22 रु. प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाज़ार में मुर्गी की क़ीमत 320 रू/ किलो है। डॉ दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर है।देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक 180 अंडों की मांग के मुकाबले 95 अंडों की उपलब्धता है। इसी तरह प्रति व्यक्ति वार्षिक 11 किलो कुक्कुट मीट की मांग के मुकाबले केवल 7 किलो प्रति व्यक्ति की उपलब्धता है। लिहाजा अंडे और कुक्कुट मीट की बढ़ती मांग को देखते हुए मुर्गी पालन अच्छी कमाई वाला रोजगार का साधन है। बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए रोड आइलैंड रेड नस्ल अच्छा विकल्प है। लघु, सीमांत और भूमिहीन किसान कम लागत में 15 से 20 मुर्गियों से इसकी शुरुआत कर सकते है। विदित है कि डॉ एन.एस.दहिया इससे पहले केवीके झुंझुनूं में करीब 5 साल मुर्गी पालन की ट्रेनिंग दे चुके हैं जिसका प्रभाव झुंझुनूं और उसके आसपास के इलाकों में बड़े स्तर पर हो रहे मुर्गी पालन के रूप में देखा जा सकता है।

कृषि विश्वविद्यालय के 'रोड आइलैंड रेड' अमेरिकन मुर्गी के चूजों का उत्पादन शुरू

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकी मुर्गी नस्ल ''रोड आइलैंड रेड'' इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी। उन्होने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है। जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे। कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है। बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं।

मुर्गी पालकों के लिये डबल कमाई का जरिया

कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है। डॉ एन.एस.दहिया ने बताया कि रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है। यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाजार कीमत 20-22 रु. प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाजार में मुर्गी की कीमत 320 रू/ किलो है। डॉ दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर है।देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक 180 अंडों की मांग के मुकाबले 95 अंडों की उपलब्धता है। इसी तरह प्रति व्यक्ति वार्षिक 11 किलो कुक्कुट मीट की मांग के मुकाबले केवल 7 किलो प्रति व्यक्ति की उपलब्धता है। लिहाजा अंडे और कुक्कुट मीट की बढ़ती मांग को देखते हुए मुर्गी पालन अच्छी कमाई वाला रोजगार का साधन है। बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए रोड आइलैंड रेड नस्ल अच्छा विकल्प है। मुर्गी पालक कम लागत में 15 से 20 मुर्गियों से इसकी शुरुआत कर सकते हैं।

कृषि विवि. में पहली बार अमेरिकी मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

किसानों को जल्द उपलब्ध करवाए जाएंगे अमेरिकन मुर्गी नस्ल के चूजे : कुलपति डॉ. कुमार

» बीकानेर और उसके आसपास के जिले बन सकते हैं अमेरिकी मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड उत्पादन के हब

» बदलते पर्यावरण में बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए अच्छा विकल्प बन सकता है रोड़ आइलैंड रेड मुर्गी नस्ल

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकी मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है। जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे। कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है। बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है। डॉ एन.एस.दहिया ने बताया कि रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है। यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाजार कीमत 20-22 रु. प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाजार में मुर्गी की कीमत 320 रू/ किलो है। डॉ दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर है।देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक 180 अंडों की मांग के मुकाबले 95 अंडों की उपलब्धता है। इसी तरह प्रति व्यक्ति वार्षिक 11 किलो कुक्कुट मीट की मांग के मुकाबले केवल 7 किलो प्रति व्यक्ति की उपलब्धता है। लिहाजा अंडे और कुक्कुट मीट की बढ़ती मांग को देखते हुए मुर्गी पालन अच्छी कमाई वाला रोजगार का साधन है। बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए रोड आइलैंड रेड नस्ल अच्छा विकल्प है। लघु, सीमांत और भूमिहीन किसान कम लागत में 15 से 20 मुर्गियों से इसकी शुरुआत कर सकते हैं। विदित है कि डॉ एन.एस.दहिया इससे पहले केवीके झुंझुनूं में करीब 5 साल मुर्गी पालन की ट्रेनिंग दे चुके हैं जिसका प्रभाव झुंझुनूं और उसके आसपास के इलाकों में बड़े स्तर पर हो रहे मुर्गी पालन के रूप में देखा जा सकता है।

किसानों को जल्द उपलब्ध करवाए जाएंगे 'रोड आइलैंड रेड' अमेरिकन मुर्गी नस्ल के चूज़ेः डॉ अरुण कुमार, कुलपति

बीकानेर और उसके आसपास के जिले बन सकते हैं रोड आइलैंड रेड मुर्गी उत्पादन के हब

तेजकेसरी न्यूज/ बीकानेर, 10 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकन मुर्गी नस्ल %%रोड आइलैंड रेड%% इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल ÷रोड आइलैंड रेड÷ की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है । जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे। कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है।बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं।

कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है। डॉ एन.एस.दहिया ने बताया कि रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है। यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाज़ार क़ीमत 20-22 रु. प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाज़ार में मुर्गी की क़ीमत 320 रू/ किलो है।

डॉ दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर है।देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक 180 अंडों की मांग के मुकाबले 95 अंडों की उपलब्धता है। इसी तरह प्रति व्यक्ति वार्षिक 11 किलो कुक्कुट मीट की मांग के मुकाबले केवल 7 किलो प्रति व्यक्ति की उपलब्धता है। लिहाजा अंडे और कुक्कुट मीट की बढ़ती मांग को देखते हुए मुर्गी पालन अच्छी कमाई वाला रोजगार का साधन है। बैकयार्ड मुर्गी पालन के लिए रोड आइलैंड रेड नस्ल अच्छा विकल्प है। लघु, सीमांत और भूमिहीन किसान कम लागत में 15 से 20 मुर्गियों से इसकी शुरुआत कर सकते हैं। विदित है कि डॉ एन.एस.दहिया इससे पहले केवीके झुंझुनूं में करीब 5 साल मुर्गी पालन की ट्रेनिंग दे चुके हैं जिसका प्रभाव झुंझुनूं और उसके आसपास के इलाकों में बड़े स्तर पर हो रहे मुर्गी पालन के रूप में देखा जा सकता है।

अमेरिकन मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू

सूरतगढ़। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पहली बार स्थापित की गई अमेरिकन मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कृषि विश्वविद्यालय में नवाचार करते हुए बीकानेर के स्थानीय कृषि विज्ञान केंद्र (केवीके) के अंतर्गत विश्वविद्यालय परिसर में अमेरिकन मुर्गी नस्ल रोड आइलैंड रेड की इकाई स्थापित की गई। समन्वित कृषि प्रणाली अंतर्गत स्थापित इस इकाई में चूजों का उत्पादन शुरू हो गया है। मुर्गियों के अंडों से करीब 70 चूजे बाहर आ गए हैं। करीब 100 अंडे इनक्यूबेटर मशीन में इस प्रोसेस में लगे है। विदित है कि इकाई स्थापित करने के लिए राजुवास से 70 मुर्गियों और 10 मुर्गों की खरीद की गई थी। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कृषि विश्वविद्यालय में रोड आइलैंड रेड

नस्ल के चूजों की हैचिंग का कार्य जारी है। जल्द ही किसान भाईयों को कृषि विश्वविद्यालय से चूजे उपलब्ध हो सकेंगे। कुलपति ने बताया कि राजस्थान में अजमेर, झुंझुनू जिले मुर्गी पालन के क्षेत्र में अव्वल है। लेकिन वहां वाइट लेग हॉर्न मुर्गियों का ही व्यावसायिक रूप से पालन किया जाता है।बीकानेर और इसके आसपास के जिले रोड आइलैंड रेड नस्ल मुर्गियों के उत्पादन हब बन सकते हैं। कृषि विश्वविद्यालय में यह इकाई कृषि महाविद्यालय बीकानेर के पशुधन उत्पादन एवं प्रबंधन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ एन.एस.दहिया और सहायक आचार्य डॉ कुलदीप शिंदे के निर्देशन में चल रही है। डॉ एन.एस.दहिया ने बताया रोड आइलैंड रेड मुर्गी दोहरे उद्देश्य वाली अमेरिकन नस्ल है जिसे मांस और अंडे दोनों के लिए पाला जाता है। यह मुर्गी लगभग 250-300 भूरे रंग के अंडे प्रतिवर्ष देती है। जिसकी बाज़ार क़ीमत 20-22 रु. प्रति अंडा है। वहीं मुर्गे का भार 3.85 किलो और मुर्गी का भार 2.95 किलो होता है। ये उन्नत नस्ल की बैकयार्ड मुर्गियां 4-5 महीनों के अंदर एक से डेढ़ किलो तक की हो जाती हैं और बाज़ार में मुर्गी की क़ीमत 320 रू/ किलो है। डॉ दहिया ने बताया कि मुर्गी पालन व्यावसायिक क्षेत्र में अच्छे विकास के बावजूद कुक्कुट उत्पादों की उपलब्धता और मांग में काफी अंतर है।देश में प्रति व्यक्ति वार्षिक 180 अंडों की मांग के *शेष पृष्ठ 7 पर*

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब प्रमाणित बीजों का उत्पादन करेगा

बीकानेर, 13 अप्रैल(निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब सत्य चिन्हित(ट्रूथफुल) बीज की जगह प्रमाणित बीजों का उत्पादन करेगा। ये बीज राज्य सरकार से प्रमाणित बीज होंगे। इससे पूर्व एसकेआरएयू के अंतर्गत केवल कृषि विज्ञान केंद्र आबूसर झुंझुनूं में ही प्रमाणित बीज तैयार किया जाता था। खरीफ 2024 में बीज की उपलब्धता को लेकर शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में हुई बैठक में ये निर्णय लिया गया।बैठक में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि विभाग के निदेशक डॉ जितेन्द्र कुमार तोमर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। बैठक में मुख्य अतिथि डॉ जितेन्द्र कुमार तोमर ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को बहुत अच्छी क्वालिटी का बीज उपलब्ध करवाएं। इससे कृषि विश्वविद्यालय की साख भी बढ़ेगी। साथ ही कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में किसानों को बीज देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम हो ताकि किसानों को इधर उधर भटकना ना पड़े। डॉ तोमर ने कहा कि बोर्ड की बैठक में ही ये तय हो कि बीज अगर बच जाता है तो उसे नो प्रॉफिट, नो लॉस पॉलिसी तक जाकर बेचा जा सके। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के सहयोग से अच्छी क्वालिटी का सीड उत्पादन कर रहा है। साथ ही कहा कि जिस तरह राज्य सरकार किसानों को बीज पर सब्सिडी दे रही है। राज्य सरकार वही सब्सिडी कृषि विश्वविद्यालय के बीज पर भी दे। इसका प्रपोजल राज्य सरकार को भिजवाया जाएगा। ताकि किसानों को कृषि विश्वविद्यालय से कम कीमत पर अच्छी क्वालिटी का बीज मिल सके। साथ ही कहा कि सीड चैन बनाने को लेकर कमेटी का गठन किया जाएगा। देशभर में तिल के बीज की मांग को देखते हुए जैसलमेर और पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्र में बीज उत्पादन का भी निर्णय लिया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने खरीफ फसल 2023 में बीज की उपलब्धता और खरीफ 2024 हेतु बीज उपलब्धता प्लानिंग को लेकर पीपीटी के जरिए विस्तृत जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय मूंगफली, ग्वार और मोठ के बीज उत्पादन को लेकर पूरे राजस्थान में सबसे अच्छा कर सकते हैं। प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने कहा कि राज्य सरकार के साथ अच्छे कम्युनिकेशन और कृषि विश्वविद्यालय के बीज से फसल में इजाफे को लेकर जानकारी किसानों को देने से निश्चित लाभ होगा। कार्यक्रम के आखिर में उपनिदेशक बीज डॉ जितेन्द्र कुमार तिवाड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विदित है कि कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 7 कृषि विज्ञान केन्द्रों बीकानेर, लूणकरणसर, जैसलमेर, पोकरण, चूरू में चांदगोठी, झुंझुनू में आबूसर, श्रीगंगानगर के पदमपुर के अलावा यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी, यूनिवर्सिटी सीड फार्म बिछवाल, यूनिवर्सिटी सेन्ट्रल फार्म खारा, कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़, कृषि महाविद्यालय बीकानेर, लैंडस्कैपिंग सेल समेत कुल 15 बीज उत्पादन केन्द्रों की कुल करीब 1300 हेक्टेयर भूमि है।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 14-04-2024

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विवि अब प्रमाणित बीजों का करेगा उत्पादन

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब सत्य चिन्हित बीज की जगह प्रमाणित बीजों का उत्पादन करेगा। ये बीज राज्य सरकार से प्रमाणित बीज होंगे। इससे पूर्व एसकेआरएयू के अंतर्गत केवल कृषि विज्ञान केंद्र आबूसर झुंझुनूं में ही प्रमाणित बीज तैयार किया जाता था। खरीफ-2024 में बीज की उपलब्धता को लेकर शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में हुई बैठक में ये निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि डॉ. जितेन्द्र कुमार तोमर ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को बहुत अच्छी क्वालिटी का बीज उपलब्ध करवाएं। इससे कृषि विश्वविद्यालय की साख भी बढ़ेगी। साथ ही कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में किसानों को बीज देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम हो ताकि किसानों को इधर-उधर भटकना ना पड़े। डॉ. तोमर ने कहा कि बोर्ड की बैठक में ही ये तय हो कि बीज अगर बच जाता है तो उसे नो प्रॉफिट, नो लॉस पॉलिसी तक जाकर बेचा जा सके। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के सहयोग से अच्छी क्वालिटी का सीड उत्पादन कर रहा है। साथ ही कहा कि जिस तरह राज्य सरकार किसानों को बीज पर सब्सिडी दे रही है। राज्य सरकार वहीं सब्सिडी कृषि विश्वविद्यालय के बीज पर भी दे। देशभर में तिल के बीज की मांग को देखते हुए जैसलमेर और पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्र में बीज उत्पादन का भी निर्णय लिया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ. पीसी गुप्ता ने खरीफ फसल में बीज की उपलब्धता और खरीफ के लिए बीज उपलब्धता प्लानिंग को लेकर पीपीटी के जरिए विस्तृत जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय मूंगफली, ग्वार और मोठ के बीज उत्पादन को लेकर पूरे राजस्थान में सबसे अच्छा कर सकते हैं।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब प्रमाणित बीजों का करेगा उत्पादन

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 13 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब सत्य चिन्हित(ट्रुथफुल) बीज की जगह प्रमाणित बीजों का उत्पादन करेगा। ये बीज राज्य सरकार से प्रमाणित बीज होंगे। इससे पूर्व एसकेआरएयू के अंतर्गत केवल कृषि विज्ञान केंद्र आबूसर,झुंझुनूं और कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर में ही प्रमाणित बीज तैयार किया जाता था। खरीफ 2024 में बीज की उपलब्धता को लेकर शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में हुई बैठक में ये निर्णय लिया गया।बैठक में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि विभाग के निदेशक डॉ जितेन्द्र कुमार तोमर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की।

बैठक में मुख्य अतिथि डॉ जितेन्द्र कुमार तोमर ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को बहुत अच्छी क्वालिटी का बीज उपलब्ध कसवाएं। इससे कृषि विश्वविद्यालय की साख भी बढ़ेगी। साथ ही कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में किसानों को बीज देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम हो ताकि किसानों को इधर उधर भटकना ना पड़े। डॉ तोमर ने कहा कि बोर्ड की बैठक में ही ये तय हो कि

बीज अगर बच जाता है तो उसे नो प्रॉफिट, नो लॉस पॉलिसी तक जाकर बेचा जा सके।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के सहयोग से अच्छी क्वालिटी का सीड उत्पादन कर रहा है। कृषि विश्वविद्यालय को बीज पर सब्सिडी देने का प्रपोजल राज्य सरकार के पास भिजवाया जाएगा। ताकि किसानों को कृषि विश्वविद्यालय से कम कीमत पर अच्छी क्वालिटी का बीज मिल सके। साथ ही कहा कि सीड चौन बनाने को लेकर कमेटी का गठन और सीड ब्रॉडिंग को लेकर राज्य सरकार के पास प्रपोजल भिजवाया जाएगा। देशभर में तिल के बीज की मांग को देखते हुए जैसलमेर और पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्र में बीज उत्पादन का भी निर्णय लिया गया।इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने खरीफ फसल 2023 में बीज की उपलब्धता और खरीफ 2024 हेतु बीज उपलब्धता प्लानिंग को लेकर पीपीटी के जरिए विस्तृत जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय मूंगफली और ग्वार के बीज उत्पादन को लेकर पूरे राजस्थान में सबसे अच्छा कर सकते हैं।

प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने कहा कि राज्य सरकार के साथ अच्छे कम्युनिकेशन और कृषि विश्वविद्यालय के बीज से फसल में इजाफे को लेकर जानकारी किसानों को देने से निश्चित लाभ होगा। कार्यक्रम के आखिर में उपनिदेशक बीज डॉ जितेन्द्र कुमार तिवाडी ने धन्यवाद ज्ञपित किया। विदित है कि कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 7 कृषि विज्ञान केन्द्रों बीकानेर, लूणकरणसर,

खरीफ 2024 में बीज उपलब्धता को लेकर रिव्यू बैठक का आयोजन

जैसलमेर और पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्रों पर तिल के बीज का किया जाएगा उत्पादन

जैसलमेर, पोकरण, चूरू में चांदगोठी, झुंझुनूं में आबूसर, श्रीगंगानगर के पदमपुर के अलावा यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी, यूनिवर्सिटी सीड फार्म बिछवाल, यूनिवर्सिटी सेन्ट्रल फार्म खारा, कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़, कृषि महाविद्यालय बीकानेर, लैंडस्केपिंग सेल समेत कुल 15 बीज उत्पादन केन्द्रों की कुल करीब 1300 हेक्टेयर भूमि है। इन 15 केन्द्रों पर वर्ष 2023 में खरीफ की विभिन्न फसलों के 1500 क्विंटल बीजों का उत्पादन किया गया।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब प्रमाणित बीजों का करेगा उत्पादन

खरीफ 2024 में बीज उपलब्धता को लेकर रिव्यू बैठक का आयोजन

जैसलमेर और पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्रों पर तिल के बीज का किया जाएगा उत्पादन

बीकानेर, 13 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब सत्य चिन्हित(ट्रूथफुल) बीज की जगह प्रमाणित बीजों का उत्पादन करेगा। ये बीज राज्य सरकार से प्रमाणित बीज होंगे। इससे पूर्व एसकेआरएयू के अंतर्गत केवल कृषि विज्ञान केंद्र आबूसर झुंझुनूं और कृषि अनुसंधान केंद्र श्रीगंगानगर में ही प्रमाणित बीज तैयार किया जाता था। खरीफ 2024 में बीज की उपलब्धता को लेकर शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में हुई बैठक में ये निर्णय लिया गया।बैठक में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि विभाग के निदेशक डॉ जितेन्द्र कुमार तोमर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। बैठक में मुख्य अतिथि डॉ जितेन्द्र कुमार तोमर ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को बहुत अच्छी क्वालिटी का बीज उपलब्ध करवाएं। इससे कृषि विश्वविद्यालय की साख भी बढ़ेगी। साथ ही कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में किसानों को बीज देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम हो ताकि किसानों को इधर उधर भटकना ना पड़े। डॉ तोमर ने

कहा कि बोर्ड की बैठक में ही ये तय हो कि बीज अगर बच जाता है तो उसे नो प्रॉफिट, नो लॉस पॉलिसी तक जाकर बेचा जा सके। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के सहयोग से अच्छी क्वालिटी का सीड उत्पादन कर रहा है। कृषि विश्वविद्यालय को बीज पर सब्सिडी देने का प्रपोजल राज्य सरकार के पास भिजवाया जाएगा। ताकि किसानों को कृषि विश्वविद्यालय से कम कीमत पर अच्छी क्वालिटी का बीज मिल सके। साथ ही कहा कि सीड चैन बनाने को लेकर कमेटी का गठन और सीड ब्रांडिंग को लेकर राज्य सरकार के पास प्रपोजल भिजवाया जाएगा। देशभर में तिल के बीज की मांग को देखते हुए जैसलमेर और पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्र में बीज उत्पादन का भी निर्णय लिया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने खरीफ फसल 2023 में बीज की उपलब्धता और खरीफ 2024 हेतु बीज उपलब्धता प्लानिंग को लेकर पीपीटी के जरिए विस्तृत जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय मूंगफली और ग्वार के बीज उत्पादन को लेकर पूरे राजस्थान में सबसे अच्छा कर सकते हैं। प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने कहा कि राज्य सरकार के साथ अच्छे कम्युनिकेशन और कृषि विश्वविद्यालय के बीज से फसल में इजाफे को लेकर जानकारी किसानों को देने से निश्चित लाभ होगा। कार्यक्रम के आखिर में उपनिदेशक बीज डॉ जितेन्द्र कुमार तिवाड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विदित है कि कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 7 कृषि विज्ञान केन्द्रों बीकानेर, लूणकरणसर, जैसलमेर, पोकरण, चूरू में चांदगोठी, झुंझुनू में आबूसर, श्रीगंगानगर के पदमपुर के अलावा यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी, यूनिवर्सिटी सीड फार्म बिछवाल, यूनिवर्सिटी सेन्ट्रल फार्म खारा, कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़, कृषि महाविद्यालय बीकानेर, लैंडस्कैपिंग सेल समेत कुल 15 बीज उत्पादन केन्द्रों की कुल करीब 1300 हेक्टेयर भूमि है। इन 15 केन्द्रों पर वर्ष 2023 में खरीफ की विभिन्न फसलों के 1500 क्विंटल बीजों का उत्पादन किया गया।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब प्रमाणित बीजों का करेगा उत्पादन

खरीफ 2024 में बीज उपलब्धता को लेकर रिव्यू बैठक का आयोजन

जैसलमेर और पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्रों पर तिल के बीज का किया जाएगा उत्पादन

बीकानेर (दैनिक खबरां)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय अब सत्य चिन्हित(ट्रूथफुल) बीज की जगह प्रमाणित बीजों का उत्पादन करेगा। ये बीज राज्य सरकार से प्रमाणित बीज होंगे। इससे पूर्व एसकेआरएयू के अंतर्गत केवल कृषि विज्ञान केंद्र आबूसर झुंझुनूं में ही प्रमाणित बीज तैयार किया जाता था। खरीफ 2024 में बीज की उपलब्धता को लेकर शनिवार को कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति सचिवालय में हुई बैठक में ये निर्णय् लिया गया.बैठक में मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश कृषि विभाग के निदेशक डॉ जितेन्द्र कुमार तोमर थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की।

बैठक में मुख्य अतिथि डॉ जितेन्द्र कुमार तोमर ने कहा कि कृषि वैज्ञानिक किसानों को बहुत अच्छी क्वालिटी का बीज उपलब्ध करवाएं। इससे कृषि विश्वविद्यालय की साख भी बढ़ेगी। साथ ही कहा कि कृषि विश्वविद्यालय में किसानों को बीज देने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम हो ताकि किसानों को इधर उधर भटकना ना पड़े। डॉ तोमर ने कहा कि बोर्ड की बैठक में ही ये तय हो कि बीज अगर बच जाता है तो उसे नो प्रॉफिट, नो लॉस पॉलिसी तक जाकर बेचा जा सके।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय किसानों के सहयोग से अच्छी क्वालिटी का सीड उत्पादन कर रहा है। साथ ही कहा कि जिस तरह राज्य सरकार किसानों को बीज पर सब्सिडी दे रही है। राज्य सरकार वही सब्सिडी कृषि विश्वविद्यालय के बीज पर भी दे। इसका प्रपोजल राज्य सरकार को भिजवाया जाएगा। ताकि किसानों को कृषि विश्वविद्यालय से कम कीमत पर अच्छी क्वालिटी का बीज मिल सके। साथ ही कहा कि सीड चैन बनाने को लेकर कमेटी का गठन किया जाएगा।

देशभर में तिल के बीज की मांग को देखते हुए जैसलमेर और पोकरण कृषि विज्ञान केन्द्र में बीज उत्पादन का भी निर्णय लिया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिरिक्त निदेशक बीज डॉ पीसी गुप्ता ने खरीफ फसल 2023 में बीज की उपलब्धता और खरीफ 2024 हेतु बीज उपलब्धता प्लानिंग को लेकर पीपीटी के जरिए विस्तृत जानकारी दी। अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय मूंगफली, ग्वार और मोठ के बीज उत्पादन को लेकर पूरे राजस्थान में सबसे अच्छा कर सकते हैं।

प्रसार निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने कहा कि राज्य सरकार के साथ अच्छे कम्युनिकेशन और कृषि विश्वविद्यालय के बीज से फसल में इजाफे को लेकर जानकारी किसानों को देने से निश्चित लाभ होगा। कार्यक्रम के आखिर में उपनिदेशक बीज डॉ जितेन्द्र कुमार तिवाड़ी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। विदित है कि कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत आने वाले 7 कृषि विज्ञान केन्द्रों बीकानेर, लूणकरणसर, जैसलमेर, पोकरण, चूरू में चांदगोठी, झुंझुनू में आबूसर, श्रीगंगानगर के पदमपुर के अलावा यांत्रिक कृषि फार्म रोजड़ी, यूनिवर्सिटी सीड फार्म बिछवाल, यूनिवर्सिटी सेन्ट्रल फार्म खारा, कृषि अनुसंधान केन्द्र बीकानेर, श्रीगंगानगर और हनुमानगढ़, कृषि महाविद्यालय बीकानेर, लैंडस्कैपिंग सेल समेत कुल 15 बीज उत्पादन केन्द्रों की कुल करीब 1300 हेक्टेयर भूमि है। इन 15 केन्द्रों पर वर्ष 2023 में खरीफ की विभिन्न फसलों के 1500 क्विंटल बीजों का उत्पादन किया गया।

नरेश कुमार मारू :- 7240278306

बीकानेर रविवार 14 अप्रेल 2024

कृषि विश्वविद्यालयः डॉ अंबेडकर को पुष्पांजलि अर्पण कार्यक्रम आयोजित हुआ

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की 133 वीं जयंती पर रविवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विकास निदेशालय सभागार में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति डॉ अरुण कुमार समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स व बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि दी।

इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने संविधान निर्माण में बाबा साहेब के योगदान के साथ वंचित वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उनके कार्यों को अनुकरणीय बताया। साथ ही कहा कि संविधान

निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने जो संविधान हमें सौंपा,वह अधिकारों के साथ कर्तव्य पालन के संतुलन की सीख देता है। उन्होने कहा कि संविधान के जरिए देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक व आर्थिक न्याय, प्रतिष्ठा व अवसर की समता और बंधुत्व का मंत्र देने वाले डॉ अंबेडकर के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने व अपनाने की आवश्यकता है।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण और डॉ भीमराव अंबेडकर के विस्तृत जीवन परिचय से की। तत्पश्चात नारी शक्ति सम्मान में बाबा साहेब के योगदान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, संविधान में बाबा साहेब के योगदान पर कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, अर्थशास्त्र की भूमिका में बाबा साहेब के योगदान पर आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने विस्तृत जानकारी दी।

छात्र कल्याण की सहायक अधिष्ठाता डॉ मनमीत कौर, आईएबीएम के पीएचडी स्कॉलर श्री आनंद व बीएससी एग्रीकल्चर की स्टूडेंट प्रिया समेत अन्य स्टूडेंट्स ने भी बाबा साहेब के जीवन व योगदान पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम के आखिर में भू सदृश्यता एवं राजस्व अर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर समेत कृषि वैज्ञानिक समेत आईएबीएम, कृषि महाविद्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

भारत रत्न डॉ अंबेडकर जयंती पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

बीकानेर, 14 अप्रैल। भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की 133 वीं जयंती पर रविवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विकास निदेशालय सभागार में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति डॉ अरुण कुमार समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स व बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने संविधान निर्माण में बाबा साहेब के योगदान के साथ वंचित वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उनके कार्यों को अनुकरणीय बताया। साथ ही कहा कि संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने जो संविधान हमें सौंपा,वह अधिकारों के साथ कर्तव्य पालन के संतुलन की सीख देता है। उन्होने कहा कि संविधान के जरिए देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक व आर्थिक न्याय, प्रतिष्ठा व अवसर की समता और बंधुत्व का मंत्र देने वाले डॉ अंबेडकर के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने व अपनाने की आवश्यकता है।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण और डॉ भीमराव अंबेडकर के विस्तृत जीवन परिचय से की। तत्पश्चात नारी शक्ति सम्मान में बाबा साहेब के योगदान पर

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, संविधान में बाबा साहेब के योगदान पर कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, अर्थशास्त्र की भूमिका में बाबा साहेब के योगदान पर आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने विस्तृत जानकारी दी। छात्र कल्याण की सहायक अधिष्ठाता डॉ मनमीत कौर, आईएबीएम के पीएचडी स्कॉलर आनंद व बीएससी एग्रीकल्चर की स्टूडेंट प्रिया समेत अन्य स्टूडेंट्स ने भी बाबा साहेब के जीवन व योगदान पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के आखिर में भू सदृश्यता एवं राजस्व अर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन, डायरेक्टर समेत कृषि वैज्ञानिक समेत आईएबीएम, कृषि महाविद्यालय, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने बड़ी संख्या में हिस्सा लिया।

14 साल बाद घर में बेटी का जन्म,मां बोली बेटा भाग्य से बेटी जन्म लेती है सौभाग्य से,थाली बजाई

भारत रत्न डॉ अंबेडकर जयंती पर स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित

बीकानेर। भारत रत्न डॉ भीमराव अम्बेडकर की 133 वीं जयंती पर रविवार को स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में पुष्पांजलि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मानव संसाधन विकास निदेशालय सभागार में छात्र कल्याण निदेशालय द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कुलपति डॉ अरुण कुमार समेत कृषि विश्वविद्यालय के डीन, डायरेक्टर्स व बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने बाबा साहेब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें पुष्पांजलि दी। इस अवसर पर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने संविधान निर्माण में बाबा साहेब के योगदान के साथ वंचित वर्ग के सर्वांगीण विकास के लिए किए गए उनके कार्यों को अनुकरणीय बताया। साथ ही कहा कि संविधान निर्माता डॉ. अम्बेडकर ने जो संविधान हमें सौंपा,वह अधिकारों के साथ कर्तव्य पालन के संतुलन की सीख देता है। उन्होने कहा कि संविधान के जरिए देश के समस्त नागरिकों को सामाजिक व आर्थिक न्याय, प्रतिष्ठा व अवसर की समता और बंधुत्व का मंत्र देने वाले डॉ अंबेडकर के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाने व अपनाने की आवश्यकता है। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत निदेशक छात्र कल्याण डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण और डॉ भीमराव अंबेडकर के विस्तृत जीवन परिचय से की। तत्पश्चात नारी शक्ति सम्मान में बाबा साहेब के योगदान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, संविधान में बाबा साहेब के योगदान पर कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव, अर्थशास्त्र की भूमिका में बाबा साहेब के योगदान पर आईएबीएम निदेशक डॉ आई.पी.सिंह ने विस्तृत जानकारी दी।

खबर एक्सप्रेस

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने रामनवमी पर कृषि महाविद्यालय में की कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 17 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर बुधवार को कृषि महाविद्यालय बीकानेर में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत की।

करीब एक दशक बाद फिर से शुरू हुए कैंपस प्लेसमेंट में कृषि महाविद्यालय और आईएबीएम के करीब 40 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु निरंतर प्रयासरत है। करीब एक दशक बाद रामनवमी के शुभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय में एक बार फिर से कैम्पस प्लेसमेंट की शुरुआत की गई है। यह पहल विद्यार्थियों को उनकी योग्यता, विशेषज्ञता, रुचि एवं कौशल के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि इस प्लेसमेंट के लिए घरडा केमिकल्स के जोनल मैनेजर मार्केटिंग डॉ. एल. के. दाधीच और एरिया सेल्स इंचार्ज अनिल ढाका ने कंपनी प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहकर कम्पनी मानकानुसार लिखित परीक्षा करवाई एवं ग्रुप चर्चा का आयोजन किया। कंपनी अब जल्द ही स्टूडेंट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाएगी। अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत ने स्टूडेंट्स के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कैम्पस प्लेसमेंट विद्यार्थियों के सुरक्षित भविष्य के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास के लिए सराहनीय प्रयास है।

आई.ए.बी.एम. निदेशक डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि प्लेसमेंट स्टूडेंट्स को शिक्षा के साथ साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर उनके सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निदेशक, छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह ने स्टूडेंट्स के कैम्पस प्लेसमेंट में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की सराहना की। कैंपस प्लेसमेंट में कृषि महाविद्यालय के प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. वाई. के. सिंह एवं सहायक प्लेसमेंट अधिकारी डा. मनमीत कौर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. कुलदीप प्रकाश शिंदे समेत कृषि महाविद्यालय का अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा।

एस.के.आर.ए.यू. कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने रामनवमी पर कृषि महाविद्यालय में की कैंपस प्लेसमैंट की शुरुआत

बीकानेर, 17 अप्रैल (प्रेम): स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर बुधवार को कृषि महाविद्यालय बीकानेर में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत की। करीब एक दशक बाद फिर से शुरू हुए, कैंपस प्लेसमेंट में कृषि महाविद्यालय और आईएबीएम के करीब 40 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु निरंतर प्रयासरत है।

करीब एक दशक बाद रामनवमी के शुभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय में एक बार फिर से कैम्पस प्लेसमेंट की शुरुआत की गई है। यह पहल विद्यार्थियों को उनकी योग्यता, विशेषज्ञता, रुचि एवं कौशल के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है।

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि इस प्लेसमेंट के लिए घरडा केमिकल्स के जोनल मैनेजर मार्केटिंग डॉ. एल. के. दाधीच और एरिया सेल्स इंचार्ज अनिल ढाका ने कंपनी प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहकर कम्पनी मानकानुसार लिखित परीक्षा करवाई एवं ग्रुप चर्चा का आयोजन किया। कंपनी अब जल्द ही स्टूडेंट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाएगी।

अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत ने स्टूडेंट्स के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कैम्पस प्लेसमेंट विद्यार्थियों के सुरक्षित भविष्य के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास के लिए सराहनीय प्रयास है।

आई.ए.बी.एम. निदेशक एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि प्लेसमेंट स्टूडेंट्स को शिक्षा के साथ साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर उनके सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निदेशक, छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह ने स्टूडेंट्स के कैम्पस प्लेसमेंट में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की सराहना की।

कैंपस प्लेसमेंट में आई.ए.बी.एम. निदेशक एवं प्लेसमैंट अधिकारी डॉ. वाई. के. सिंह एवं सहायक प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. मनमीत कौर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. कुलदीप प्रकाश शिंदे समेत कृषि महाविद्यालय का अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा।

दैनिक भास्कर बीकानेर 18-04-2024

कृषि विवि: कैंपस प्लेसमेंट की बुधवार से हुई शुरुआत

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय की ओर से रामनवमी के मौके पर बुधवार को कृषि महाविद्यालय बीकानेर में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत की गई। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि करीब एक दशक बाद फिर से शुरू हुए कैंपस प्लेसमेंट में कृषि महाविद्यालय और आईएबीएम के 40 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने रामनवमी पर कृषि महाविद्यालय में की कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर बुधवार को कृषि महाविद्यालय बीकानेर में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत की। करीब एक दशक बाद फिर से शुरू हुए कैंपस प्लेसमेंट में कृषि महाविद्यालय और आईएबीएम के करीब 40 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु निरंतर प्रयासरत है। करीब एक दशक बाद रामनवमी के शुभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय में एक बार फिर से कैम्पस प्लेसमेंट की शुरुआत की गई है। यह पहल विद्यार्थियों को उनकी योग्यता, विशेषज्ञता, रुचि एवं कौशल के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि इस प्लेसमेंट के लिए घरडा

केमिकल्स के जोनल मैनेजर मार्केटिंग डॉ. एल. के. दाधीच और एरिया सेल्स इंचार्ज अनिल ढाका ने कंपनी प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहकर कम्पनी मानकानुसार लिखित परीक्षा करवाई एवं ग्रुप चर्चा का आयोजन किया। कंपनी अब जल्द ही स्टूडेंट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाएगी। अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत ने स्टूडेंट्स के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कैम्पस प्लेसमेंट विद्यार्थियों के सुरक्षित भविष्य के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास के लिए सराहनीय प्रयास है। आई.ए. बी.एम. निदेशक एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि प्लेसमेंट स्टूडेंट्स को शिक्षा के साथ साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर उनके सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निदेशक, छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह ने स्टूडेंट्स के कैम्पस प्लेसमेंट में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की सराहना की। कैंपस प्लेसमेंट में आई.ए.बी.एम. निदेशक एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. वाई. के. सिंह एवं सहायक प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. मनमीत कौर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. कुलदीप प्रकाश शिंदे समेत कृषि महाविद्यालय का अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा।

एसकेआरएयू कुलपति डॉ अरुण कुमार ने रामनवमी पर कृषि महाविद्यालय में की कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत

बीकानेर (लोकमत, संवाद)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ अरुण कुमार ने भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी पर बुधवार को कृषि महाविद्यालय बीकानेर में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत की। करीब एक दशक बाद फिर से शुरू हुए कैंपस प्लेसमेंट में कृषि महाविद्यालय और आईएबीएम के करीब 40 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। इस अवसर पर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि कृषि विश्वविद्यालय छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य हेतु निरंतर प्रयासरत है। करीब एक दशक बाद रामनवमी के शुभ अवसर पर कृषि महाविद्यालय में एक बार फिर से कैम्पस प्लेसमेंट की शुरुआत की गई है। यह पहल विद्यार्थियों को उनकी योग्यता, विशेषज्ञता, रुचि एवं कौशल के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी जो उनके सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण कदम है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ पी.के.यादव ने बताया कि इस प्लेसमेंट के लिए घरडा केमिकल्स के जोनल मैनेजर मार्केटिंग डॉ. एल. के. दाधीच और एरिया सेल्स इंचार्ज श्री अनिल ढाका ने कंपनी प्रतिनिधि के रूप में उपस्थित रहकर कम्पनी मानकानुसार लिखित परीक्षा करवाई एवं ग्रुप चर्चा का आयोजन किया। कंपनी अब जल्द ही स्टूडेंट्स को इंटरव्यू के लिए बुलाएगी। अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत ने स्टूडेंट्स के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि कैम्पस प्लेसमेंट विद्यार्थियों के सुरक्षित भविष्य के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व विकास के लिए सराहनीय प्रयास है। आई.ए.बी.एम. निदेशक एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. आई. पी. सिंह ने कहा कि प्लेसमेंट स्टूडेंट्स को शिक्षा के साथ साथ रोजगार के अवसर प्रदान कर उनके सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। निदेशक, छात्र कल्याण डॉ. वीर सिंह ने स्टूडेंट्स के कैम्पस प्लेसमेंट में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने की सराहना की। कैंपस प्लेसमेंट में आई.ए.बी.एम. निदेशक एवं प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. वाई. के. सिंह एवं सहायक प्लेसमेंट अधिकारी डॉ. मनमीत कौर का विशेष सहयोग रहा। इस अवसर पर सहायक प्राध्यापक डॉ. कुलदीप प्रकाश शिंदे समेत कृषि महाविद्यालय का अन्य स्टाफ भी मौजूद रहा।

एक दशक बाद कृषि महाविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने रामनवमी पर कृषि महाविद्यालय में कैंपस प्लेसमेंट की शुरुआत की।

करीब एक दशक बाद फिर शुरू हुए कैंपस .प्लेसमेंट में कृषि महाविद्यालय और आईएबीएम के करीब 40 स्टूडेंट्स ने हिस्सा लिया। कुलपति ने कहा कि यह पहल विद्यार्थियों को उनकी योग्यता, विशेषज्ञता, रुचि एवं कौशल के आधार पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराएगी। महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ. पीके यादव ने बताया कि लिखित परीक्षा एवं ग्रुप चर्चा हो चुकी है। कंपनी अब जल्द ही अभ्यर्थियों को इंटरव्यू के लिए बुलाएगी।

किसान गोष्ठी आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर की ओर से किसान गोष्ठी आयोजित की गई। गोष्ठी में मुख्य अतिथि अटारी क़ानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एस. के. सिंह थे। डॉ. सिंह ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को किसानों की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना तैयार करनी चाहिए,जिससे किसानों को अधिक से अधिक फ़ायदा मिल सके। प्रशिक्षण आयोजन भौगोलिक अवस्थाओं को देखते हुए किया जाना चाहिए। कृषि वैज्ञानिकों को मूंग तथा मोठ की नई किस्में विकसित की जानी चाहिए ताकि दलहन का उत्पादन बढ़ाया जा सके। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि तकनीक के प्रसार से पूर्व उसका आर्थिक अवलोकन भी किया जाना चाहिए।

दैनिक भास्कर बीकानेर 23-04-2024

किसानों की जरूरत के अनुसार काम करें कृषि वैज्ञानिक: डॉ एसके सिंह

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। किसान गोष्ठी में अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एसके सिंह मुख्य अतिथि थे। डॉ. सिंह ने गोष्ठी में कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को किसानों की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना तैयार करनी चाहिए। इससे किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सकेगा। कहा कि प्रशिक्षण आयोजन भौगोलिक अवस्थाओं को देखते हुए किया जाना चाहिए। कृषि वैज्ञानिकों को मूंग तथा मोठ की नई किस्में विकसित की जानी चाहिए ताकि दलहन का उत्पादन बढ़ाया जा सके। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि तकनीक के प्रसार से पूर्व उसका आर्थिक अवलोकन भी किया जाना चाहिए जिससे किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा विभिन्न फसलों के प्रदर्शन भी लगाने चाहिए ताकि किसानों को तकनीक के चयन में परेशानी ना हो। इससे पूर्व गोष्ठी की शुरुआत में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में सभी आगंतुकों का आभार जताते हुए कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी।

किसानों की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना तैयार करे कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ एस के सिंह प्रधान वैज्ञानिक अटारी

कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर की ओर से किसान गोष्ठी का आयोजन

बीकानेर, (मृदुल पत्रिका)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर की और से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।किसान गोष्ठी में मुख्य अतिथि अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एस. के. सिंह थे। डॉ सिंह ने गोष्ठी में कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को किसानों की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना तैयार करनी चाहिए जिससे किसानों को अधिक से अधिक फ़ायदा मिल सके। साथ ही कहा कि प्रशिक्षण आयोजन भौगोलिक अवस्थाओं को देखते हुए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को मूँग तथा मोठ की नई क़िस्में विकसित की जानी चाहिए ताकि दलहन का उत्पादन बढ़ाया जा सके। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि तकनीक के प्रसार से पूर्व उसका आर्थिक अवलोकन भी किया जाना चाहिए। जिससे किसानों की आमदनी बढ़ायी जा सके ।

उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा विभिन्न फसलों के प्रदर्शन भी लगाने चाहिए ताकि किसानों को तकनीक के चयन में परेशानी ना हो। इससे पूर्व गोष्ठी की शुरुआत में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में सभी आगंतुकों का आभार जताते हुए कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ राजेश वर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। गोष्ठी में केवीके बीकानेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ दुर्गा सिंह, केवीके लूनकरनसर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ राजेश शिवरान समेत अन्य कृषि वैज्ञानिक व कावनी, कानासर और हुसंगसर गाँव के किसानों ने हिस्सा लिया।

किसानों की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना तैयार करे कृषि विज्ञान केंद्र : डॉ एस के सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, अटारी

बीकानेर (लोकमत, संवाद)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर की और से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।किसान गोष्ठी में मुख्य अतिथि अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एस. के. सिंह थे। डॉ सिंह ने गोष्ठी में कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को किसानों की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना तैयार करनी चाहिए जिससे किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके। साथ ही कहा कि प्रशिक्षण आयोजन भौगोलिक अवस्थाओं को देखते हुए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को मूँग तथा मोठ की नई किस्में विकसित की जानी चाहिए ताकि दलहन का उत्पादन बढ़ाया जा सके।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि तकनीक के प्रसार से पूर्व उसका आर्थिक अवलोकन भी किया जाना चाहिए।जिससे किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके । उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा विभिन्न फसलों के प्रदर्शन भी लगाने चाहिए ताकि किसानों को तकनीक के चयन में परेशानी ना हो।

इससे पूर्व गोष्ठी की शुरुआत में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में सभी आगंतुकों का आभार जताते हुए कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ राजेश वर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। गोष्ठी में केवीके बीकानेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ दुर्गा सिंह तथा केवीके लूनकरनसर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ राजेश शिवरान समेत अन्य कृषि वैज्ञानिकों समेत कावनी, कानासर और हुसंगसर गाँव के किसानों ने हिस्सा लिया।

कृषि केन्द्रों में किसानों की उपयोगिता के अनुसार कार्य योजना तैयार करने पर जोर

कामयाब कलम रिपोर्टर।

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में सोमवार को कृषि विज्ञान केंद्र बीकानेर की और से किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया।किसान गोष्ठी में मुख्य अतिथि अटारी कानपुर के प्रधान वैज्ञानिक डॉ एस. के. सिंह थे। डॉ सिंह ने गोष्ठी में कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों को किसानों की आवश्यकता अनुसार कार्य योजना तैयार करनी चाहिए जिससे किसानों को अधिक से अधिक फायदा मिल सके। साथ ही कहा कि प्रशिक्षण आयोजन भौगोलिक अवस्थाओं को देखते हुए किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कृषि वैज्ञानिकों को मूँग तथा मोठ की नई किस्में विकसित की जानी चाहिए ताकि दलहन का उत्पादन बढ़ाया जा सके। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि तकनीक के प्रसार से पूर्व उसका आर्थिक अवलोकन भी किया जाना चाहिए। जिससे किसानों की आमदनी बढ़ाई जा सके। उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्र के द्वारा विभिन्न फसलों के प्रदर्शन भी लगाने चाहिए ताकि किसानों को तकनीक के चयन में परेशानी ना हो। इससे पूर्व गोष्ठी की शुरुआत में प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र ने स्वागत भाषण में सभी आगंतुकों का आभार जताते हुए कृषि विश्वविद्यालय के विभिन्न कृषि विज्ञान केंद्रों के कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। उपनिदेशक प्रसार शिक्षा डॉ राजेश वर्मा ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ केशव मेहरा ने किया। गोष्ठी में केवीके बीकानेर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ दुर्गा सिंह तथा केवीके लूनकरनसर के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ राजेश शिवरान समेत अन्य कृषि वैज्ञानिकों समेत कावनी, कानासर और हुसंगसर गाँव के किसानों ने हिस्सा लिया।

कृषि महाविद्यालय में मनाया विश्व पृथ्वी दिवस

मंडावा. रामनारायण चौधरी कृषि महाविद्यालय में सोमवार को पृथ्वी और प्लास्टिक थीम पर पृथ्वी दिवस मनाया गया। डॉ. सागरमल कुमावत के मुख्य आतिथ्य और डॉ आर.एस. राठौड़ की अध्यक्षता में पृथ्वी दिवस पर महाविधालय सभागार में कार्यशाला आयोजित करते हुए विद्यार्थियो को जागरूक किया गया। इस अवसर पर डॉ कुमावत ने पृथ्वी और प्लास्टिक पर विस्तृत प्रकाश डालते हुए बताया कि हमारे प्लानेट पृथ्वी की सुरक्षा की सम्पूर्ण जिम्मेदारी पूरे मानव समुदाय की है। हमारे द्वारा प्लासस्टिक के निर्माण,उत्पादन और इसका अंधाधुंध उपयोग भी चरम पर है। उन्होंने बताया कि पृथ्वी को बचाने के लिए सिंगल यूज प्लास्टिक को बैन करने मात्र से ही समस्या का निराकरण संभव नहीं है। बैन करने की बजाय ऐसे उत्पादनों पर अंकुश लगाना या प्रतिबंधित करना आवश्यक है। जिससे पृथ्वी को सुरक्षित रखा जा सके। कार्यशाला में डॉ आर.एस राठौड़, डॉ नरेन्द्र सिंह, डॉ वंदना,डॉ मकसूद, कोमल जाखड़, पूजा महला, पूनम, पुष्पा, रूचिका, वर्षा माहिच, सरिता महरिया,किरण चौधरी, अनामिका मील, संदीप सैनी ने भी विचार व्यक्त किए।

पंजाब केसरी
WED,24 APRIL 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 4

एस.के.आर.ए.यू. में 11 जून को आयोजित होगा 20वां दीक्षांत समारोह

बीकानेर, 23 अप्रैल (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20वां दीक्षांत समारोह 11 जून 2024 को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरते। साथ ही कहा कि कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे पूर्व वीसी के ओ.एस.डी. इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई समितियों के पुनर्गठन को लेकर

■ कुलपति ने ली संबंधित अधिकारियों की बैठक

विस्तृत जानकारी दी।

विदित है कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आई.ए.बी.एम. के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसम्बर 2023 तक पास हुए स्टूडैंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी।

समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा, साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि इसके अलावा राज्यपाल महोदय कृषि विश्वविद्यालय के संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में बने नए हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे। बैठक में कुलपति डॉ. अरुण कुमार के अलावा कुल सचिव डॉ. देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ. सुभाष चंद्र, वीसी के ओएसडी इंजी विपिन लड्ढा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल, आई.ए.बी.एम. निदेशक डॉ. आई.पी. सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ. दाताराम, स्टूडैंट वैल्फेयर निदेशक डॉ. वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ. ए.के. शर्मा सहित अन्य उपस्थित रहे।

बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय का 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून को, राज्यपाल मिश्र होंगे मुख्य अतिथि

श्रीगंगानगर। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून को आयोजित किया जाएगा। मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरते। साथ ही कहा कि कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे पूर्व वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई विभिन्न समितियों के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। विदित है कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी। समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि इसके अलावा राज्यपाल कृषि विश्वविद्यालय में संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में नए बने हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे।

ाखों रुपए ऐंठने के बाल अपचारी निरुद्ध

आईफोन बरामद

रुपए तक इन किशोरों और युवकों को घर से लाकर दिए हैं। वह अब

एसकेआरएयू में 11 जून को आयोजित होगा 20वां दीक्षांत समारोह, कुलपति डॉ अरुण कुमार ने ली संबंधित अधिकारियों की बैठक

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 23 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20वां दीक्षांत समारोह 11 जून को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरते। साथ ही कहा कि कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे पूर्व वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई विभिन्न समितियों के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। विदित है कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी। समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि इसके

अलावा राज्यपाल महोदय कृषि विश्वविद्यालय में संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में नए बने हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे। बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार के अलावा कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, कुलपति के ओएसडी इंजी विपिन लड्ढ़ा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, स्टूडेंट वेलफेयर निदेशक डॉ वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ एके शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एसआर यादव, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशक डॉ योगेश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर उपस्थित रहे।

ऑस्ट्रेलिया में एक्स पर सेंस पीएम अल्बानीज से भिड़े

कहा- एक देश पूरी दुनिया में इंटरनेट कंट्रोल करना चाहता है, पीएम बोले- अहंकारी अरबपति

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

नई दिल्ली, 23 अप्रैल। ऑस्ट्रेलिया की एक कोर्ट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स से पिछले हफ्ते हुए एक बिशप की हत्या से जुड़े कंटेंट को हाइड करने का आदेश दिया है। इसके बाद कंपनी के मालिक एलन मस्क और ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बानीज के बीच जुबानी जंग शुरू हो गई है। कोर्ट के आदेश पर मस्क ने कहा, आदेश का मतलब है कि कोई भी देश पूरे इंटरनेट को कंट्रोल कर सकता है। ई-सेफ्टी कमिश्नर के पुराने आदेश का जिक्र करते हुए मस्क ने कहा कि उन्होंने मामले से जुड़े कंटेंट को पूरी तरह से हटाने को कहा था। दरअसल, 15 अप्रैल को वेस्टर्न सिडनी के वेकले में क्राइस्ट द गुड शेफर्ड चर्च के बिशप मार मारी इमैनुएल की चाकू मारकर हत्या कर दी गई थी। इस चाकूबाजी में दो लोग घायल हुए थे। इस मामले में 16 साल के एक लड़के पर आतंकवाद से जुड़े धाराओं में मामला दर्ज किया गया है।

अल्बानीज बोले- अहंकारी अरबपति से निपटने के लिए जो जरूरी होगा करेंगे : कमिश्नर के आदेश पर मस्क ने पीएम एंथनी अल्बानीज को टरगेट करते हुए कहा, प्रधानमंत्री को लगता है कि पूरी पृथ्वी पर उनका अधिकार क्षेत्र होना चाहिए। मस्क के बयान पर पलटवार करते हुए पीएम एंथनी अल्बानीज ने कहा कि देश इस अहंकारी अरबपति से निपटने के लिए जो भी आवश्यक होगा वह करेगा। मस्क सोचते हैं कि वह कानून से ऊपर हैं। यह विचार कि कोई व्यक्ति किसी प्लेटफॉर्म पर हिंसक कंटेंट डालने के अधिकार के लिए कोर्ट जाएगा, दर्शाता है कि मिस्टर मस्क कितने आउट-ऑफ-टच हैं। सोशल मीडिया को सामाजिक जिम्मेदारी भी निभाने की जरूरत है। कोर्ट के आदेश के बाद मस्क ने कहा कि हमने मामले से जुड़े सभी कंटेंट ऑस्ट्रेलिया से हटा दिए हैं लेकिन, कंपनी की चिंता यह है कि ऑस्ट्रेलियाई ई-सेफ्टी कमिश्नर की मांग पर अगर दुनियाभर से किसी कंटेंट को हटा लिया जाता है, तो किसी और देश को पूरे इंटरनेट को कंट्रोल करने से कैसे रोका जा सकता है। मस्क ने अपने एक्स हैंडल से एक मीम पोस्ट किया जिसमें यह दिखाया

एसकेआरएयू में 11 जून को आयोजित होगा 20 वां दीक्षांत समारोह, राज्यपाल मिश्र होंगे मुख्य अतिथि

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून 2024 को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे पूर्व वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई विभिन्न समितियों के पुनर्गठन को लेकर जानकारी दी। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी। समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा राज्यपाल महोदय कृषि विश्वविद्यालय में संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में नए बने हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे। बैठक में कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, कुलपति के ओएसडी इंजी विपिन लड्ढ़ा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, स्टूडेंट वेलफेयर निदेशक डॉ वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ एके शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एसआर यादव, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशक डॉ योगेश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर उपस्थित रहे।

एसकेआरएयू में 11 जून को आयोजित होगा 20 वां दीक्षांत समारोह, राज्यपाल होंगे मुख्य अतिथि

समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने ली संबंधित अधिकारियों की बैठक

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून 2024 को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरते। साथ ही कहा कि कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे पूर्व वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई समितियों के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। विदित है कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक वित्रान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी। समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा।

साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि इसके अलावा राज्यपाल महोदय कृषि विश्वविद्यालय के संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में बने नए हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे।

बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार के अलावा कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, वीसी के ओएसडी इंजी विपिन लड्ढा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, स्टूडेंट वेलफेयर निदेशक डॉ वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ एके शर्मा, कृषि कॉलेज अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एसआर यादव, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशक डॉ योगेश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर उपस्थित रहे।

बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय का 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून को होगा, राज्यपाल मिश्र होंगे मुख्य अतिथि

» समारोह की तैयारियों के लिए कुलपति द्वारा अधिकारियों के साथ बैठक

श्रीगंगानगर/सीमाकिरण। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून को आयोजित किया जाएगा।मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरते। साथ ही कहा कि कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे पूर्व वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई विभिन्न समितियों के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। विदित है कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी। समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि इसके अलावा राज्यपाल महोदय कृषि विश्वविद्यालय में संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में नए बने हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे।

राज्यपाल कलराज मिश्र आएंगे बीकानेर, राजस्थान कृषि विवि का दीक्षांत समारोह 11 जून को

■ जलतेदीप, जयपुर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरते। साथ ही कहा कि कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे पूर्व वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई विभिन्न समितियों के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। विदित है कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी।

एसकेआरएयू में 11 जून को आयोजित होगा 20 वां दीक्षांत समारोह, राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे मुख्य अतिथि

समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने ली संबंधित अधिकारियों की बैठक

बीकानेर (लोकमत, संवाद)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून 2024 को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली।

बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरते। साथ ही कहा कि कुलसचिव डॉ

देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे। इससे पूर्व वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई समितियों के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। विदित है कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी। समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। कुलपति ने बताया कि इसके अलावा राज्यपाल महोदय कृषि विश्वविद्यालय के संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में बने नए हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे।

बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार के अलावा कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, वीसी के ओएसडी इंजी विपिन लड्ढा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, स्टूडेंट वेलफेयर निदेशक डॉ वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ एके शर्मा, कृषि कॉलेज अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एसआर यादव, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशक डॉ योगेश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर उपस्थित रहे।

दीक्षांत समारोह की तैयारियों में जुटा एसकेआरएयू

11 जून को होगा आयोजन

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कुलपति ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरतें। कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे।

वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई समितियों के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं। कुलपति ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी।

समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा राज्यपाल कृषि विश्वविद्यालय के संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में बने नए हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे।

दैनिक भास्कर बीकानेर 24-04-2024

कृषि विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह 11 जून को

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय का 20वां दीक्षांत समारोह 11 जून को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं। समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी। समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा।

एसकेआरएयू में 11 जून को आयोजित होगा 20वां दीक्षांत समारोह, राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे मुख्य अतिथि

बीकानेर (मृदुल पत्रिका)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 20 वां दीक्षांत समारोह 11 जून 2024 को आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राज्यपाल कलराज मिश्र होंगे। दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर कुलपति डॉ अरुण कुमार ने वीसी सचिवालय में संबंधित अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि विश्वविद्यालय के लिए दीक्षांत समारोह बड़ा उत्सव है। लिहाजा समितियों के संबंधित संयोजक व सदस्य दिए गए कार्य में कोई कोताही न बरते। साथ ही कहा कि कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी सभी समितियों के कार्यों की मॉनिटरिंग करेंगे।

इससे पूर्व वीसी के ओएसडी इंजी. विपिन लड्ढा ने पिछले दीक्षांत समारोह के दौरान गठित की गई विभिन्न समितियों के पुनर्गठन को लेकर विस्तृत जानकारी दी। विदित है कि दीक्षांत समारोह की तैयारियों को लेकर समन्वय व प्रोटोकॉल, पंजीकरण, प्रकाशन समिति समेत करीब 15 विभिन्न समितियां बनाई गई हैं।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि संकाय, सामुदायिक विज्ञान संकाय व आईएबीएम के स्नातक (यूजी) 2022-23 और स्नातकोत्तर (पीजी) व पीएचडी के 1 जुलाई 2022 से 31 दिसंबर 2023 तक पास हुए स्टूडेंट्स को उपाधि (डिग्री) प्रदान की जाएगी। समारोह में स्नातक और स्नातकोत्तर में टॉप करने वाले विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक भी प्रदान किया जाएगा। साथ ही कृषि विश्वविद्यालय के एक टॉपर विद्यार्थी को चांसलर स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा।

कुलपति ने बताया कि इसके अलावा राज्यपाल महोदय कृषि विश्वविद्यालय में संविधान पार्क, कृषि महाविद्यालय में नए बने हॉस्टल व पानी की टंकी का लोकार्पण भी करेंगे।

बैठक में कुलपति डॉ अरुण कुमार के अलावा कुल सचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेन्द्र कुमार खत्री, अनुसंधान निदेशक डॉ पीएस शेखावत, प्रसार शिक्षा निदेशक डॉ सुभाष चंद्र, कुलपति के ओएसडी इंजी विपिन लड्ढा, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल, आईएबीएम निदेशक डॉ आईपी सिंह, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, स्टूडेंट वेलफेयर निदेशक डॉ वीर सिंह, मानव संसाधन निदेशालय निदेशक डॉ एके शर्मा, कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह, परीक्षा नियंत्रक डॉ राजेन्द्र सिंह राठौड़, कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एसआर यादव, निगरानी एवं मूल्यांकन निदेशक डॉ योगेश शर्मा, सहायक आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर उपस्थित रहे।

खबर एक्सप्रेस

25.04.2024

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में हुआ वार्षिकोत्सव सतरंगी 2024 का रंगारंग आयोजन

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 24 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में बुधवार को वार्षिकोत्सव सतरंगी–2024 का रंगारंग आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जॉर्ज पी चैरियन, वीपीएम, मुख्य अभियंता, चेतक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

कुलपति डॉ अरुण कुमार ने अपने उद्बोधन में सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रहे हैं। साथ ही महाविद्यालय की 2021–22 की बीएससी, एमएससी व पीएचईडी की समस्त सीट भरने पर अधिष्ठाता को बधाई भी दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुंकवाल, डॉ ममता सिंह और डॉ नम्रता जैन को मरूशक्ति के बाजरे से बने बिस्किट सामग्री को मिले पेटेंट को लेकर शुभकामनाएं भी दी।

कार्यक्रम में अकादमिक पुरस्कार में प्रथम वर्ष सामुदायिक विज्ञन में दीक्षा, द्वितीय वर्ष में अंजली खोदर, तृतीय वर्ष में सुखामणि कौर व चतुर्थ वर्ष में यामिनी सारस्वत प्रथम रही। फूड एंड न्यूट्रिशन में प्रथम रही निकिता को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्टूडेंट पुरस्कार सुखामणि कौर को दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, खेलकूद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में अव्वल रहने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।

इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुंकवाल द्वारा स्वागत उद्बोधन के बाद डॉ मंजू राठौड़ ने मंच संचालन करते हुए महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में डॉ परिमिता ने धान्यवाद ज्ञपित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के डीन ,डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थिति रहे।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में 'सतरंगी' का रंगारंग आयोजन

तेज. श्रीगंगानगर | संजय सेठी

बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आज वार्षिकोत्सव 'सतरंगी-2024' का रंगारंग आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जॉर्ज पी चैरियन, वीपीएम, मुख्य अभियंता, चेतक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने अपने उद्बोधन में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रहे हैं। साथ ही महाविद्यालय की 2021-22 की बीएससी, एमएससी व पीएचईडी की समस्त सीट भरने पर अधिष्ठाता को बधाई भी दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमल डुंकवाल,डॉ ममता सिंह और डॉ नम्रता जैन को मरूशक्ति के बाजरे से बने बिस्किट सामग्री को मिले पेटेंट को लेकर शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में अकादमिक पुरस्कार में प्रथम वर्ष सामुदायिक विज्ञान में दीक्षा, द्वितीय वर्ष में अंजली खेदर, तृतीय वर्ष में सुखमणि कौर व चतुर्थ वर्ष में यामिनी सारस्वत प्रथम रही।फूड एंड न्यूट्रिशन में प्रथम रही निकिता को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्टूडेंट पुरस्कार सुखमणि कौर को दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, खेलकूद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में अव्वल रहने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुंकवाल द्वारा स्वागत उद्बोधन के बाद डॉ. मंजू राठौड़ ने मंच संचालन करते हुए महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में डॉ.परिमिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के डीन ,डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थिति रहे।

कार्यालय नगरपरिषद हनुमानगढ़-राजस्थान

क्रमांक:एफ8(भूमि)135 दिनांक: 04.04.2024

आपत्ति सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि रिंकू पुत्र बालकिशन निवासी हनुमानगढ़ टाउन ने एक आवेदन पत्र प्रस्तुत कर चक नं. 17 एचएमएच पत्थर नं. 129/266 किला नं. 01 ता 10 में आवासीय भूखण्ड संख्या 02 साईज 40'×70' फुट हनुमानगढ़ टाउन का नियमन अपने नाम से करवाना चाहा है। जिसमें इनके द्वारा प्रार्थना पत्र, शपथनामा,

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में वार्षिकोत्सव 'सतरंगी 2024' आयोजित

■ विद्यार्थियों ने रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांधा

बीकानेर, 24 अप्रैल (राजेंद्र.प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में बुधवार को वार्षिकोत्सव 'सतरंगी-2024' का रंगारंग आयोजन हुआ।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जॉर्ज पी चैरियन, वी.पी.एम., मुख्य अभियंता, चेतक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि यहां के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रहे हैं।

वार्षिकोत्सव में प्रमाण पत्र ग्रहण करने वाले विद्यार्थी। (राजेंद्र)

साथ ही महाविद्यालय की 2021-22 की बी.एस.सी., एम.एस.सी. व पी.एच.ई.डी. की समस्त सीट भरने पर अधिष्ठाता को बधाई भी दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमल डुंकवाल, डॉ. ममता सिंह और डॉ. नम्रता जैन को मरूशक्ति के बाजरे से बने बिस्किट सामग्री को मिले पेटेंट को लेकर शुभकामनाएं भी दी।

कार्यक्रम में अकादमिक पुरस्कार में प्रथम वर्ष सामुदायिक विज्ञान में दीक्षा, द्वितीय वर्ष में अंजली खेदर, तृतीय वर्ष में सुखमणि कौर व चतुर्थ वर्ष में यामिनी सारस्वत प्रथम रही। फूड एंड न्यूट्रिशन में प्रथम रही निकिता को पुरस्कृत किया गया।

सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र पुरस्कार सुखमणि कौर को दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, खेलकूद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में अव्वल रहने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। डॉ. मंजू राठौड़ ने मंच संचालन करते हुए महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

कार्यक्रम के अंत में डॉ. परिमिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के डीन, डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थिति रहे।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में सतरंगी का रंगारंग आयोजन

श्रीगंगानगर 24 अप्रैल। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में आज वार्षिकोत्सव सतरंगी-2024 का रंगारंग आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जॉर्ज पी चैरियन, वीपीएम, मुख्य अभियंता, चेतक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने अपने उद्बोधन में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रहे हैं। साथ ही महाविद्यालय की 2021-22 की बीएससी, एमएससी व पीएचईडी की समस्त सीट भरने पर अधिष्ठाता को बधाई भी दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुंकवाल,डॉ ममता सिंह और डॉ नम्रता जैन को मरूशक्ति के बाजरे से बने बिस्किट सामग्री को मिले पेटेंट को लेकर शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में अकादमिक पुरस्कार में प्रथम वर्ष सामुदायिक विज्ञान में दीक्षा, द्वितीय वर्ष में अंजली

खेदर, तृतीय वर्ष में सुखमणि कौर व चतुर्थ वर्ष में यामिनी सारस्वत प्रथम रही।फूड एंड न्यूट्रिशन में प्रथम रही निकिता को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्टूडेंट पुरस्कार सुखमणि कौर को दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, खेलकूद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में अव्वल रहने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुंकवाल द्वारा स्वागत उद्बोधन के बाद डॉ मंजू राठौड़ ने मंच संचालन करते हुए **शेष पृष्ट 7 पर**

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में हुआ वार्षिकोत्सव सतरंगी 2024 का रंगारंग आयोजन

सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 24 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में बुधवार को वार्षिकोत्सव सतरंगी-2024 का रंगारंग आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जॉर्ज पी चैरियन, कैपीएम, मुख्य अभियंता, चेतक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। वार्षिकोत्सव में

विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने अपने उद्बोधन में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रहे हैं। साथ ही महाविद्यालय की 2021-22 की बीएससी, एमाएससी व पीएचडी की समस्त सीट भरने पर अधिष्ठाता को बधाई भी दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुकवाल, डॉ ममता सिंह और डॉ नम्रता जैन को मरूशक्ति के जाजरे से बने विस्किट सामग्री को मिले पेटेंट को लेकर शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में अकादमिक पुरस्कार में प्रथम वर्ष सामुदायिक विज्ञान में दीक्षा, द्वितीय वर्ष में अंजली खेदर, तृतीय वर्ष में सुखमणि कौर व चतुर्थ वर्ष में यामिनी सारस्वत प्रथम रही। फूड एंड न्यूट्रिशन में प्रथम रही निकिता को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्टूडेंट पुरस्कार सुखमणि कौर को दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, खेलकूद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में अव्वल रहने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुकवाल द्वारा स्वागत उद्बोधन के बाद डॉ मंजू राठौड़ ने मंच संचालन करते हुए महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में डॉ परिमिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के डीन, डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में हुआ वार्षिकोत्सव "सतरंगी 2024" का रंगारंग आयोजन

बीकानेर(सुरेश जैन)स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में बुधवार को वार्षिकोत्सव "सतरंगी–2024" का रंगारंग आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री जॉर्ज पी चौरियन, वीपीएम, मुख्य अभियंता, चेतक थे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने अपने उद्बोधन में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रहे हैं। साथ ही महाविद्यालय की 2021–22 की बीएससी, एमएससी व पीएचईडी की समस्त सीट भरने पर अधिष्ठाता को बधाई भी दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुंकवाल,डॉ ममता सिंह और डॉ नम्रता जैन को मरूशक्ति के बाजरे से बने बिस्किट सामग्री को मिले पेटेंट को लेकर शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में अकादमिक पुरस्कार में प्रथम वर्ष सामुदायिक विज्ञान में दीक्षा, द्वितीय वर्ष में अंजली खेदर, तृतीय वर्ष में सुखमणि कौर व चतुर्थ वर्ष में यामिनी सारस्वत प्रथम रही।फूड एंड न्यूट्रिशन में प्रथम रही निकिता को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ स्टूडेंट पुरस्कार सुखमणि कौर को दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, खेलकूद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में अव्वल रहने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमल डुंकवाल द्वारा स्वागत उद्बोधन के बाद डॉ मंजू राठौड़ ने मंच संचालन करते हुए महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की। कार्यक्रम के अंत में डॉ परिमिता ने धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम में विभिन्न विभागों के डीन ,डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थिति रहे।

रंगारंग प्रस्तुतियों से बांधा समां

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

बीकानेर. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में बुधवार को वार्षिकोत्सव सतरंगी-2024 का आयोजन हुआ। मुख्य अतिथि चेतक के मुख्य अभियंता जॉर्ज पी चैरियन थे। अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कार्यक्रम में अकादमिक पुरस्कार में प्रथम वर्ष सामुदायिक विज्ञान में दीक्षा, द्वितीय वर्ष में अंजली खेदर, तृतीय वर्ष में सुखमणि कौर व चतुर्थ वर्ष में यामिनी सारस्वत प्रथम रहीं। फूड एंड न्यूट्रिशन में प्रथम रही निकिता को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र पुरस्कार सुखमणि कौर को दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, खेलकूद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में अव्वल रहने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया।

दैनिक भास्कर
बीकानेर 25-04-2024

'सतरंगी 2024' की रंगारंग प्रस्तुतियों ने बांधा समां, दिए अकादमिक पुरस्कार

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय में बुधवार को वार्षिकोत्सव 'सतरंगी-2024' का रंगारंग आयोजन हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जॉर्ज पी चैरियन, वीपीएम, मुख्य अभियंता, चेतक थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। वार्षिकोत्सव में विद्यार्थियों ने विभिन्न रंगारंग प्रस्तुतियां देकर समां बांध दिया। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने अपने उद्‌बोधन में सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए कहा कि यहां के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा कार्य कर रहे हैं। साथ ही महाविद्यालय की 2021-22 की बीएससी, एमएससी व पीएचईडी की समस्त सीटें भरने पर अधिष्ठाता को बधाई भी दी। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमल डुंकवाल, डॉ. ममता सिंह और डॉ. नम्रता जैन को मरुशक्ति के बाजरे से बने बिस्किट सामग्री को मिले पेटेंट को लेकर शुभकामनाएं भी दी। कार्यक्रम में अकादमिक पुरस्कार में प्रथम वर्ष सामुदायिक विज्ञान में दीक्षा, द्वितीय वर्ष में अंजली खेदर, तृतीय वर्ष में सुखमणि कौर व चतुर्थ वर्ष में यामिनी सारस्वत प्रथम रही। फूड एंड न्यूट्रिशन में प्रथम रही निकिता को पुरस्कृत किया गया। सर्वश्रेष्ठ निवर्तमान छात्र पुरस्कार सुखमणि कौर को दिया गया। साथ ही सांस्कृतिक, खेलकूद एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में अव्वल रहने वाली प्रतिभाओं को भी सम्मानित किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों के द्वारा मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्वलन के साथ हुई। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमल डुंकवाल द्वारा स्वागत उद्‌बोधन के बाद डॉ. मंजू राठौड़ ने मंच संचालन करते हुए महाविद्यालय की वार्षिक रिपोर्ट भी प्रस्तुत की।

एसकेआरएयू में 29 अप्रैल से 1 मई तक होगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन

26.04.2024

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 25 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है।

यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में गुरूवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह ने यूथ फेस्टिवल के सफल आयोजन को लेकर बनाई गई बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन) , तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी) , पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे। सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञन महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर एवं सह आचार्य डॉ वाई.के. सिंह, सह आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर, लेखाधिकारी किशन सिंह उपस्थित रहे।

एसकेआरएयू में 29 अप्रैल से 1 मई तक होगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन

यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है। यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में गुरूवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह ने यूथ फेस्टिवल के सफल आयोजन को लेकर बनाई गई बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन) , तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी) , पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा।

जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे। सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर एवं सह आचार्य डॉ वाई.के. सिंह, सह आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर, लेखाधिकारी किशन सिंह उपस्थित रहे।

बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय में 29 अप्रैल से 1 मई तक होगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल

» यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

तेज | रिपोर्टर बीकानेर

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है। यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में आज समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीरसिंह ने 29 अप्रैल से 1 में तक आयोजित किए जाने वाले यूथ फेस्टिवल के लिए बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य, युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी), पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे।सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाईके सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय गंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर एवं सह आचार्य डॉ वाई.के. सिंह, सह आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर, लेखाधिकारी किशन सिंह उपस्थित रहे।

एसकेआरएयू में 29 अप्रैल से 1 मई तक होगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 25 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय बीकानेर में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल के सफल आयोजन को लेकर समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है। यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में गुरूवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह ने यूथ फेस्टिवल के सफल आयोजन को लेकर बनाई गई बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य, युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी), पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम, रंगोली का आयोजन किया जाएगा जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे। सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर एवं सह आचार्य डॉ वाई.के. सिंह, सह आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर, लेखाधिकारी किशन सिंह उपस्थित रहे।

बीकानेर कृषि विश्वविद्यालय में 29 अप्रैल से 1 मई तक होगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल

यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

श्रीगंगानगर 25 अप्रैल। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान

कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है। ?ूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में आज समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीरसिंह ने 29 अप्रैल से 1 में तक आयोजित किए जाने वाले यूथ फेस्टिवल के लिए बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन) , तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी) , पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे।सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर एवं सह आचार्य डॉ वाई.के. सिंह, सह आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर, लेखाधिकारी किशन सिंह उपस्थित रहे।

एसकेआरएयू में 29 अप्रैल से 1 मई तक होगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन

यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

बीकानेर (लोकमत, संवाद)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है।

यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में गुरूवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह ने यूथ फेस्टिवल के सफल आयोजन को लेकर बनाई गई बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन) , तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी) , पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएवीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर एवं सह आचार्य डॉ वाई.के. सिंह, सह आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएवीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर, लेखाधिकारी श्री किशन सिंह उपस्थित रहे।

दैनिक भास्कर बीकानेर 26-04-2024

• एसकेआरएयू : 29 से 1 मई तक होगा यूथ फेस्टिवल

फेस्टिवल में नाटक, नृत्य, भाषण और रंगोली प्रतियोगिता होगी

बीकानेर | स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है। यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह ने बनाई गई बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन) , तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी) , पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा। सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व स्पोर्ट्स ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चौदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएवीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

एसकेआरएयू में 29 अप्रैल से 1 मई तक होगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन

यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक का आयोजन

बीकानेर, 25 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है।

यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में गुरूवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह ने यूथ फेस्टिवल के सफल आयोजन को लेकर बनाई गई बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी), पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर एवं सह आचार्य डॉ वाई.के. सिंह, सह आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर, लेखाधिकारी श्री किशन सिंह उपस्थित रहे।

एसकेआरएयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल 29 अप्रैल से 1 मई तक

■ निज संवाददाता

बीकानेर, (निसं)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है। यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में गुरूवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी), पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे।

यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

पंजाब केसरी
FRI,26 APRIL 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 4

एस.के.आर.ए.यू. में इंटर कॉलेज यूथ फैस्टिवल 29 से, बैठक में की तैयारियों की समीक्षा

बीकानेर, 25 अप्रैल (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फैस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडैंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फैस्टिवल का आयोजन कर रहा है जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है।

यूथ फैस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में गुरुवार को समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. वीर सिंह ने यूथ फैस्टिवल के सफल आयोजन को लेकर बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।

डॉ. दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फैस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी), पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम, रंगोली का आयोजन किया जाएगा जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ. वाई.के. सिंह ने बताया कि यूथ फैस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा।

यूथ फैस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चांदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आई.ए.बी.एम. और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी हिस्सा ले रहे हैं।

एसकेआरएयू में 29 अप्रेल से इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय में 29 अप्रेल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होगा। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में गुरूवार को समीक्षा बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. वीर सिंह ने फेस्टिवल को लेकर बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि की समीक्षा की। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताएं होंगी। फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रेल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल में कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय हिस्सा लेंगे।

27.04.2024

प्रशान्त ज्योति श्रीगंगानगर

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक

किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु की 10 अनुशंसा

बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 व मूंगफली की आर.जी.-638 किस्म की अनुशंसा
06 तकनीकों को परीक्षण हेत ग्राह्य परीक्षण केन्द्र(एटीसी) पर भेजा जाएगा

प्रशान्त ज्योति न्यूज

बीकानेर। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में 25 और 26 अप्रैल को दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु 10 विभिन्न अनुशंसाएं की गई व 06 तकनीकों को परीक्षण हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत और विशिष्ट अतिथि भू सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर.यादव ने की।

अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एसएस शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही।

कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 तथा पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता व गुणवत्ता बढ़ाना, मूंगफली में उन्नत किस्म आर. जी.-638 एवं सिंचाई प्रबंध, ग्वार की उन्नत किस्में आर.जी.आर.-18-1 व आर.जी.आर.-12-1 एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म आर.टी.-372 समेत कुल 10 अनुशंसाएं की गई। साथ ही 06 तकनीकों को सत्यापित करने हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र(एटीसी) पर भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने खरीफ 2023 के प्रयोगो के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया तथा विभिन्न नवीन तकनीकों के ऊपर गहन विचार विमर्श किया गया।

डॉ यादव ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया।कार्यक्रम के अन्त में डॉ. एस. पी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। बैठक में कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के अलावा आईसीएआर के वैज्ञानिकों समेत कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिको, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों के अलावा कृषि विभाग, बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू के अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक

किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु की गई 10 विभिन्न अनुशंसा

इबादत न्यूज

बीकानेर, 26 अप्रैल। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में 25 और 26 अप्रैल को दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु 10 विभिन्न अनुशंसाएं की गई व 06 तकनीकों को परीक्षण हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत और विशिष्ट अतिथि भू सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ. दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ. एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ. एस.आर.यादव ने की।

अनुसंधान निदेशक डॉ. पी.एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एसएस शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही। कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 तथा पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता व गुणवत्ता बढ़ाना, मूंगफली में उन्नत किस्म आर. जी.-638 एवं सिंचाई प्रबंध, ग्वार की उन्नत किस्में आर.जी. आर.-18-1 व आर.जी. आर.-12-1 एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म आर.टी.-372 समेत कुल 10 अनुशंसाएं की गई। साथ ही 06 तकनीकों को सत्यापित करने हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) पर भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने खरीफ 2023 के प्रयोगो के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया तथा विभिन्न नवीन तकनीकों के ऊपर गहन विचार विमर्श किया गया। डॉ यादव ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. एस. पी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। बैठक में कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के अलावा आईसीएआर के वैज्ञानिकों समेत कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिको, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों के अलावा कृषि विभाग, बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू के अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक में

किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु की गई 10 विभिन्न अनुशंसा

फर्स्ट न्यूज़

बीकानेर। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में 25 और 26 अप्रैल को दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु 10 विभिन्न अनुशंसाएं की गई व 06 तकनीकों को परीक्षण हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत और विशिष्ट अतिथि भू सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर.यादव ने की। अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एसएस शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही। कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 तथा पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता व गुणवत्ता बढ़ाना, मूंगफली में उन्नत किस्म आर. जी.-638 एवं सिंचाई प्रबंध, ग्वार की उन्नत किस्में आर.जी.आर.-18-1 व आर.जी.आर.-12-1 एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म आर.टी.-372 समेत कुल 10 अनुशंसाएं की गई। साथ ही 06 तकनीकों को सत्यापित करने हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र(एटीसी) पर भेजने का निर्णय़ लिया गया। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने खरीफ 2023 के प्रयोगो के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया तथा विभिन्न नवीन तकनीकों के ऊपर गहन विचार विमर्श किया गया। डॉ यादव ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया।कार्यक्रम के अन्त में डॉ. एस. पी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। बैठक में कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के अलावा आईसीएआर के वैज्ञानिकों समेत कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिको, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों के अलावा कृषि विभाग, बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू के अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु की गई 10 विभिन्न अनुशंसाएं

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में 25 और 26 अप्रैल को दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु 10 विभिन्न अनुशंसाएं की गई व 06 तकनीकों को परीक्षण हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत और विशिष्ट अतिथि भू सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर.यादव ने की। अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एसएस शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही। कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की उन्नत किस्में तथा पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता व गुणवत्ता बढ़ाना, मूंगफली में उन्नत किस्म आर. जी.-638 एवं सिंचाई प्रबंध, ग्वार की उन्नत किस्में आर.जी.आर.-18-1 व आर.जी.आर.-12-1 एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म आर.टी.-372 समेत कुल 10 अनुशंसाएं की गई। साथ ही 06 तकनीकों को सत्यापित करने हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र(एटीसी) पर भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने खरीफ 2023 के प्रयोगो के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया तथा विभिन्न नवीन तकनीकों के ऊपर गहन विचार विमर्श किया गया।

डॉ यादव ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया।कार्यक्रम के अन्त में डॉ. एस. पी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। बैठक में कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के अलावा आईसीएआर के वैज्ञानिकों समेत कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिको, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों के अलावा कृषि विभाग, बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू के अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

एसकेआरएयू में 29 अप्रैल से 1 मई तक होगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन

बीकानेर, 26 अप्रैल (तेजकेसरी न्यूज)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय (एसकेआरएयू) में लंबे समय बाद 29 अप्रैल से 1 मई तक इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन होने जा रहा है।

कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने बताया कि कृषि विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स के सर्वांगीण विकास को ध्यान में रखते हुए लंबे समय बाद इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। जिसके सफल आयोजन को लेकर आयोजन, समन्वय समेत कुल 13 समितियों का गठन किया गया है।यूथ फेस्टिवल की तैयारियों को लेकर विश्वविद्यालय परिसर स्थित छात्र कल्याण निदेशालय में समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता करते हुए छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ वीर सिंह ने यूथ फेस्टिवल के सफल आयोजन को लेकर बनाई गई बनाई गई समितियों के समन्वयकों के साथ विद्यार्थियों के ठहरने, पुरस्कार वितरण, आयोजन स्थल इत्यादि को लेकर विस्तृत समीक्षा की गई।स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल को लेकर बनाई गई सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि यूथ फेस्टिवल में थियेटर इवेंट, फाइन आर्ट व लिटरेचर वर्ग के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं यथा एकल नृत्य,युगल नृत्य, समूह नृत्य (लोक नृत्य), हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन) , तात्कालिक भाषण, रंगोली, वाद-विवाद (हिंदी-अंग्रेजी) , पोस्टर, कोलाज बनाना, कार्टून, नाटक, माइम,रंगोली का आयोजन किया जाएगा। जिसमें छात्र-छात्राएं हिस्सा ले सकेंगे।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई.के.सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल का उद्घाटन 29 अप्रैल को सुबह 10 बजे विश्वविद्यालय परिसर स्थित विद्या मंडप में होगा। यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।

बैठक में कृषि महाविद्यालय अधिष्ठाता डॉ पीके यादव, भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, ईओ इंजी जेके गौड़, लाइजन ऑफिसर एवं सह आचार्य डॉ वाई.के. सिंह, सह आचार्य डॉ वीएस आचार्य, आईएबीएम सहायक आचार्य डॉ अदिति माथुर, लेखाधिकारी श्री किशन सिंह उपस्थित रहे।

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु की गई 10 विभिन्न अनुशंसाएं

बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 व मूंगफली की आर.जी.-638 किस्म उपयोग में लेने की अनुशंसा

✍ सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 26 अप्रैल। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में 25 और 26 अप्रैल को दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु 10 विभिन्न अनुशंसाएं की गई व 06 तकनीकों को परीक्षण हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत और विशिष्ट अतिथि भू सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर.यादव ने की। अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एसएस शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही। कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 तथा पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता व गुणवत्ता ब?ाना, मूंगफली में उन्नत किस्म आर.जी.-638 एवं सिंचाई प्रबंध, ग्वार की उन्नत किस्में आर.जी.आर.-18-1 व आर.जी.आर.-12-1 एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म आर.टी.-372 समेत कुल 10 अनुशंसाएं की गई। साथ ही 06 तकनीकों को सत्यापित करने हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र(एटीसी) पर भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने खरीफ 2023 के प्रयोगो के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया तथा विभिन्न नवीन तकनीकों के ऊपर गहन विचार विमर्श किया गया। डॉ यादव ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम के अन्त में डॉ. एस. पी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। बैठक में कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के अलावा आईसीएआर के वैज्ञानिकों समेत कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिको, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों के अलावा कृषि विभाग, बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू के अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

बालाजी ऑफसेट प्रिन्टर्स, सूरतगढ़ रोड, राजकीय चिकित्सालय के सामने, श्रीगंगानगर (राज.) से मुद्रित तथा वार्ड नं. 34, (डॉ. अम्बेडकर नगर), सूरतगढ़ जिला श्रीगंगानगर से प्रकाशित व प्रसारित। (सभी विवादों का न्यायक्षेत्र सूरतगढ़ होगा)

क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु की गई 10 विभिन्न अनुशंसा

बीकानेर, (लोकमत, संवाद)।

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में 25 और 26 अप्रैल को दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु 10 विभिन्न अनुशंसाएं की गई व 06 तकनीकों को परीक्षण हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत और विशिष्ट अतिथि भू सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर.यादव ने की।

अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व

रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एसएस शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही।

कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 तथा पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता व गुणवत्ता बढ़ाना, मूंगफली में उन्नत किस्म आर. जी.-638 एवं सिंचाई प्रबंध, ग्वार की उन्नत किस्में आर.जी.आर.-18-1 व आर.जी.आर.-12-1 एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म आर.टी.-372 समेत कुल 10 अनुशंसाएं की गई। साथ ही 06 तकनीकों को सत्यापित करने हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र(एटीसी) पर भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने खरीफ 2023 के प्रयोगों के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया तथा विभिन्न नवीन तकनीकों के ऊपर गहन विचार विमर्श किया गया।

डॉ यादव ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया।कार्यक्रम के अन्त में डॉ. एस. पी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। बैठक में कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के अलावा आईसीएआर के वैज्ञानिकों समेत कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिको, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों के अलावा कृषि विभाग, बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू के अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

दैनिक भास्कर बीकानेर 27-04-2024

किसानों और वैज्ञानिकों की कम करें दूरी तो ज्यादा लाभ

कृषि विवि में अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की दो दिवसीय बैठक

सिटी रिपोर्टर | बीकानेर

स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के कृषि अनुसंधान केन्द्र में 25 और 26 अप्रैल को दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में किसानों को फसल का उत्पादन बढ़ाने के लिए 10 अनुशंसाएं की गईं। 06 तकनीकों को परीक्षण के लिए एटीसी (ग्राह्य परीक्षण केन्द्र) भेजने का निर्णय लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एसएस शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही। बैठक में विशिष्ट अतिथि भू सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर. यादव ने की। कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता व गुणवत्ता बढ़ाना, मूंगफली में सिंचाई प्रबंध, ग्वार की किस्में खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म समेत कुल 10 अनुशंसाएं की गईं। साथ ही 06 तकनीकों को सत्यापित करने के लिए एटीसी पर भेजने का निर्णय लिया गया। डॉ यादव ने विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया। कार्यक्रम में डॉ. एसपी सिंह, डॉ. बीडीएस नाथावत अनुसंधान केंद्रों के अधिकारी, कृषि विभाग, बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू के अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 व मूंगफली की आर.जी.-638 किस्म उपयोग में लेने की अनुशंसा

बीकानेर, 26 अप्रैल (तेजकेसरी न्यूज)। स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने हेतु 10 विभिन्न अनुशंसाएं की गई व 06 तकनीकों को परीक्षण हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र (एटीसी) भेजने का निर्णय़ लिया गया। बैठक में मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पी. एस. शेखावत और विशिष्ट अतिथि भू सदृशयता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम, अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एस.एस. शेखावत व काजरी अध्यक्ष डॉ नवरतन पंवार थे। बैठक की अध्यक्षता कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर.यादव ने की।

अनुसंधान निदेशक डॉ पी.एस. शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ दाताराम ने एटीसी पर ट्रायल बढ़ाने और अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ एसएस शेखावत ने कृषि वैज्ञानिकों को ज्यादा से ज्यादा रिसर्च कर किसानों तक पहुंचाने की बात कही।

कृषि अनुसंधान केन्द्र के क्षेत्रीय निदेशक डॉ एस.आर यादव ने बताया कि बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा की उन्नत किस्में एच.एच.बी.-299 व पी.सी.-701 तथा पोषक तत्वों के माध्यम से उत्पादकता व गुणवत्ता बढ़ाना, मूंगफली में उन्नत किस्म आर. जी.-638 एवं सिंचाई प्रबंध, ग्वार की उन्नत किस्में आर.जी.आर.-18-1 व आर.जी.आर.-12-1 एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म आर.टी.-372 समेत कुल 10 अनुशंसाएं की गई। साथ ही 06 तकनीकों को सत्यापित करने हेतु ग्राह्य परीक्षण केन्द्र(एटीसी) पर भेजने का निर्णय़ लिया गया। बैठक में विभिन्न वैज्ञानिकों ने खरीफ 2023 के प्रयोगो के परिणामों का प्रस्तुतिकरण दिया तथा विभिन्न नवीन तकनीकों के ऊपर गहन विचार विमर्श किया गया। डॉ यादव ने बताया कि कृषि विभाग के अधिकारियों ने विभाग की प्रगति के बारे में अवगत कराया।कार्यक्रम के अन्त में डॉ. एस. पी. सिंह ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

मंच संचालन डॉ. बी. डी. एस. नाथावत ने किया। बैठक में कृषि अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर के अलावा आईसीएआर के वैज्ञानिकों समेत कृषि विज्ञान केन्द्रों के वैज्ञानिको, केन्द्रीय शुष्क बागवानी संस्थान, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान केन्द्र के वैज्ञानिकों के अलावा कृषि विभाग, बीकानेर, जैसलमेर एवं चूरू के अधिकारियों व किसानों ने भाग लिया।

मारपीट कर दोहिते को जबरन साथ ले जाने का आरोप, पुत्री के ससुरालियों पर कार्रवाई करने की मांग

हनुमानगढ़। टाउन थाना क्षेत्र के चक दो एचएमएच झाम्बर निवासी बुजुर्ग दम्पती ने शुक्रवार को पुलिस अधीक्षक के समक्ष पेश होकर दोहिते को जबरन साथ ले जाने का आरोप लगाते हुए पुत्री के ससुरालियों पर कार्रवाई करने की गुहार लगाई। सुमेर सिंह पुत्र ताराचंद धानक निवासी चक दो एचएमएच झाम्बर ने बताया कि उसकी पुत्री रेखा की शादी संजू पुत्र बृजमोहन धानक निवासी नजदीक हाथी गेट, अमृतसर (पंजाब) के साथ हुई थी। संजू नशा कर उसकी पुत्री के साथ मारपीट करता था। उन्होने आरोप लगाया कि संजू की भाभी भी उसे उकसाती थी। रेखा व दोहिता वासु लॉकडाउन के बाद उनके पास ही रहते थे। करीब 2 वर्ष पूर्व उसका जवाई संजू, ननदोई अशोक कुमार, भाभी पिंकी, बुआ का लडक़ा मनोज कुमार उसकी पुत्री को लेने आए। तब उसने अपनी पुत्री को उनके साथ यह कहकर भेजने से मना कर दिया कि वे समाज के मौजिज व्यक्तियों को लेकर आएं, संजू नशा भी करना छोड़ दे। इस बात पर रेखा के ससुराल पक्ष के लोग उसके साथ गाली-गलौज करने लगे। जाते हुए संजू ने उसकी पुत्री रेखा के पेट में लात मारी। उसने शोर मचाया तो यह लोग वहां से चले गए। उसकी पुत्री के पेट में दर्द होने के कारण लम्बा इलाज चला। 17 मार्च 2024 को उसकी पुत्री रेखा की मृत्यु हो गई। एक अप्रेल को संजू, उसका भाई सोनू, ननदोई अशोक कुमार तथा 10-15 अन्य व्यक्ति टैम्पो में सवार होकर उसके घर बैठने के बहाने आए व मौका देखकर उससे व उसकी पत्नी के साथ मारपीट करने लगे। उसकी पत्नी के कानों में पहनी सोने की बालियां जबरन छीन ली। दोहिते को जबरन उठाकर अपने साथ ले गए। सुमेरसिंह के अनुसार उसने इससे पूर्व भी इस घटना के बारे में एसपी व टाउन पुलिस थाना में प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्हें अंदेशा है कि उसकी पुत्री के ससुराल पक्ष के लोग उसके दोहिते के साथ कोई अनहोनी कर सकते हैं। बुजुर्ग दम्पती ने रोते हुए एसपी से गुहार लगाई कि पुत्री के ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए।

6 तकनीकों को परीक्षण के लिए एटीसी भेजने का निर्णय

दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक में पैसला

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानन्द राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान केन्द्र में दो दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान एवं प्रसार सलाहकार समिति की बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में किसानों को फसल उत्पादन बढ़ाने के लिए 10 विभिन्न अनुशंसाएं की गई व 6 तकनीकों को परीक्षण के लिए ग्राह्य परीक्षण केन्द्र भेजने का निर्णय लिया गया।

मुख्य अतिथि अनुसंधान निदेशक डॉ. पीएस शेखावत ने वैज्ञानिकों और किसानों के बीच दूरी को कम करने के लिए प्रसार व रिसर्च को एक साथ कार्य करने की जरूरत बताई। भू-सदृश्यता एवं राजस्व सर्जन निदेशक डॉ. दाताराम तथा अतिरिक्त निदेशक कृषि प्रसार डॉ. एसएस शेखावत ने भी अपने विचार रखे।

बैठक में कृषि वैज्ञानिकों ने किसानों को विभिन्न फसलों में उत्पादन बढ़ाने के लिए बाजरा, मूंगफली तथा ग्वार की उन्नत किस्मों एवं खरपतवार नियंत्रण तथा पत्ती झुलसा रोग और तिल की उन्नत किस्म 10 अनुशंसाएं की गई।

पंजाब केसरी
SUN,28 APRIL 2024
EDITION: SHRI GANGA NAGAR, PAGE NO. 3

शिविर में सौंफ का शरबत व ठंडाई पाऊडर बनाना सिखाया

बीकानेर, 27 अप्रैल (प्रेम) : स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा राज्यपाल के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाऊडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ. नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बी.एस.सी. की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

डुकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाऊडर, कैरी से आम पन्ना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना सिखाया

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा राज्यपाल के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती डुकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

साथ ही बताया गया कि महिलाएं घर में ही इन शरबत को बड़े पैमाने पर तैयार कर आय का जरिया भी बना सकती हैं।

शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई।

शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर आम पन्ना बनाना सिखाया

तेज. श्रीगंगानगर | संजय सेठी

बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती डूकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पन्ना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही बताया गया कि महिलाएं घर में ही इन शरबत को बड़े पैमाने पर तैयार कर आय का जरिया भी बना सकती हैं। शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना सिखाया

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा राज्यपाल के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती डुकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

साथ ही बताया गया कि महिलाएं घर में ही इन शरबत को बड़े पैमाने पर तैयार कर आय का जरिया भी बना सकती हैं।

शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई।

शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना सिखाया

श्रीगंगानगर 27 अप्रैल। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा माननीय राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया।

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

श्रीमती डूकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पन्ना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही बताया गया कि महिलाएं घर में ही इन शरबत को बड़े पैमाने पर तैयार कर आय का जरिया भी बना सकती हैं। शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना सिखाया

बीकानेर 27 अप्रैल। बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा माननीय राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया।

छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपाय

सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती डूकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पन्ना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही बताया गया कि महिलाएं घर में ही इन शरबत को बड़े पैमाने पर तैयार कर आय का जरिया भी बना सकती हैं। शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना सिखाया

बीकानेर (मृदुल पत्रिका)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा माननीय रायपाल महोदय के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डुकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बचों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी।

डुकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पन्ना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया।

साथ ही बताया गया कि महिलाएं घर में ही इन शरबत को बड़े पैमाने पर तैयार कर आय का जरिया भी बना सकती हैं। शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

प्रताप केसरी

सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना सिखाया

श्रीगंगानगर, 27 अप्रैल (प्रताप केसरी): बीकानेर में स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय द्वारा माननीय राज्यपाल महोदय के निर्देशानुसार सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना इत्यादि सिखाया गया। सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ विमला डूकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। श्रीमती डूकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पन्ना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। साथ ही बताया गया कि महिलाएं घर में ही इन शरबत को बड़े पैमाने पर तैयार कर आय का जरिया भी बना सकती हैं। शिविर में महिलाओं को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी भी दी गई। शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया।

लू और गर्मी से बचने को लेकर प्रशिक्षण शिविर आयोजित

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय की ओर से सामाजिक उत्तरदायित्व के अंतर्गत गोद लिए हुए गांव कावनी में लू और गर्मी से बचने को लेकर शनिवार को प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, आम पन्ना बनाना सिखाया गया। महाविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. विमला डुकवाल ने बताया कि पंचायत घर में आयोजित प्रशिक्षण शिविर में महाविद्यालय की शिक्षिका डॉ. नम्रता जैन व चतुर्थ वर्ष बीएससी की छात्राओं ने गांव की महिलाओं और बच्चों को लू से बचने के उपायों समेत विभिन्न प्रकार की सावधानियां बरतने के बारे में भी विस्तृत जानकारी दी। डुकवाल ने बताया कि इस दौरान गांव की महिलाओं को लू और गर्मी से बचने को लेकर सौंफ का शरबत, ठंडाई पाउडर, कैरी से आम पन्ना बनाने का प्रशिक्षण भी दिया गया। शिविर में गांव की महिलाओं और बालिकाओं ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया।

दैनिक भास्कर

बीकानेर 30-04-2024

युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में प्रतिभा का मनवाया लोहा, लोग मंत्रमुग्ध

एसकेआरएयू में अंतर महाविद्यालयी यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज

बीकानेर| स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज हुआ।

29 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाले फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित, विशिष्ठ अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबूलाल जुनेजा, एसकेडी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर दिनेश जुनेजा, चेयरमैन वरुण यादव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ. देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खत्री

समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। फेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विजेताओं प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित ने कहा कि युवा दुनिया बदलने की ताकत रखते हैं। छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. वीर सिंह ने सभी का स्वागत किया। पहले दिन वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आईएबीएम के स्टूडेंट गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के आनंद चौधरी व आरती जाखड़, तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सुखमनी व इतिश्री रहे। आशु भाषण में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर आईएबीएम के गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभोर रहे।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ. दीपाली धवन ने बताया कि एकल नृत्य में प्रथम स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सूर्य प्रताप सिंह, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर की अंशिता जैन और तीसरे स्थान पर कृषि कॉलेज हनुमानगढ़ की ख़ुशबू सैनी रहे। समूह गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के स्टूडेंट्स रहे। राठौड़ और डॉ. केशव मेहरा ने किया।

एसकेआरएयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का हुआ रंगारंग आगाज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज हुआ। 29 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाले फ़ेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित, विशिष्ठ अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य श्री बाबू लाल जुनेजा, एसकेडी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर श्री दिनेश जुनेजा, चेयरमैन श्री वरुण यादव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेंद्र कुमार खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। फ़ेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विजेताओं प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि युवा दुनिया बदलने की ताक़त रखते हैं। प्रतियोगिता में पहले दूसरे स्थान पर आने से ज़्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में हिस्सा लेना और खुद को एक्सप्रेस करना है। विशिष्ठ अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य श्री बाबू लाल जुनेजा ने कहा कि युवा जो भी सपने देखे उन्हें पूरे आत्मबल के साथ पूरा करें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि किसी भी स्टूडेंट की प्रतिभा छिपी ना रहे इसको लेकर भविष्य में सभी प्रतियोगिताओ में हिस्सा लेने की स्टूडेंट को छूट दी जाएगी। छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण देते बताया कि यूथ फेस्टिवल के पहले दिन वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आईएबीएम के स्टूडेंट गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के आनंद चौधरी व आरती जाधव, तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सुखमनी व इतिश्री रहे। वही तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर आईएबीएम के गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभोर रहे। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि एकल नृत्य में प्रथम स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सूर्य प्रताप सिंह, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर की अंशिता जैन और तीसरे स्थान पर कृषि कॉलेज हनुमानगढ़ की खुशबू सैनी रहे।समूह गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के स्टूडेंट्स, दूसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के स्टूडेंट रहे। मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ मंजू राठौड़ और डॉ केशव मेहरा ने किया। सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल के दूसरे दिन युगल नृत्य, हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), स्किट , पोस्टर, कोलाज बनाना, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विदित है कि यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर उपस्थित रहे।

रावतसर का हिन्दी लेक्चरर सस्पेंड, स्कूल की लड़कियों के

एसकेआरएयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का हुआ रंगारंग आगाज

बीकानेर। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज हुआ। 29 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाले फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित, विशिष्ट अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबूलाल जुनेजा, एसकेडी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर दिनेश जुनेजा, चेयरमैन वरुण यादव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। फेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विजेताओं प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि युवा दुनिया बदलने की ताकत रखते हैं। प्रतियोगिता में पहले दूसरे स्थान पर आने से ज़्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में हिस्सा लेना और खुद को एक्सप्रेस करना है। विशिष्ट अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबूलाल जुनेजा ने कहा कि युवा जो भी सपने देखे उन्हें पूरे आत्मबल के साथ पूरा करें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि किसी भी स्टूडेंट की प्रतिभा छिपी ना रहे इसको लेकर भविष्य में सभी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की स्टूडेंट को छूट दी जाएगी।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण देते बताया कि यूथ फेस्टिवल के पहले दिन वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आईएबीएम के स्टूडेंट गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के आनंद चौधरी व आरती जाधव, तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सुखमनी व इतिश्री रहे। वही तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर आईएबीएम के गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभोर रहे।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि एकल नृत्य में प्रथम स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सूर्य प्रताप सिंह, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर की अंशिता जैन और तीसरे स्थान पर कृषि कॉलेज हनुमानगढ़ की खुशबू सैनी रहे। समूह गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के स्टूडेंट्स, दूसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के स्टूडेंट रहे। मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ मंजू राठौड़ और डॉ केशव मेहरा ने किया। डॉ दीपाली धवन ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल के दूसरे दिन युगल नृत्य, हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), स्किट , पोस्टर, कोलाज बनाना, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विदित है कि यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर उपस्थित रहे।

आरएयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का हुआ रंगारंग आगाज

बीकानेर, 29 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज हुआ। 29 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाले फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित, विशिष्ट अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य श्री बाबू लाल जुनेजा, एसकेडी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर श्री दिनेश जुनेजा, चेयरमैन श्री वरुण यादव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की।कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेंद्र कुमार खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। फेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विजेताओं प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि युवा दुनिया बदलने की ताकत रखते हैं। प्रतियोगिता में पहले दूसरे स्थान पर आने से ज्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में हिस्सा लेना और खुद को एक्सप्रेस करना है।

विशिष्ट अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य श्री बाबू लाल जुनेजा ने कहा कि युवा जो भी सपने देखे उन्हें पूरे आत्मबल के साथ पूरा करें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि किसी भी स्टूडेंट की प्रतिभा छिपी ना रहे इसको लेकर भविष्य में सभी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की स्टूडेंट को छूट दी जाएगी।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण देते बताया कि यूथ फेस्टिवल के पहले दिन वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आईएबीएम के स्टूडेंट गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के आनंद चौधरी व आरती जाधव, तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सुखमनी व इतिश्री रहे। वहीं तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर आईएबीएम के गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभोर रहे।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि एकल नृत्य में प्रथम स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सूर्य प्रताप सिंह, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर की अंशिता जैन और तीसरे स्थान पर कृषि कॉलेज हनुमानगढ़ की खुशबू सैनी रहे।समूह गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के स्टूडेंट्स, दूसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के स्टूडेंट रहे। डॉ दीपाली धवन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ मंजू राठौड़ और डॉ केशव मेहरा ने किया।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल के दूसरे दिन युगल नृत्य, हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), स्किट , पोस्टर, कोलाज बनाना, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विदित है कि यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं।कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर उपस्थित रहे।

एसकेआरएयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का हुआ रंगारंग आगाज

बीकानेर (निष्पक्ष कलम)। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज हुआ । 29 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाले फ़ेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित, विशिष्ठ अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबू लाल जुनेजा, एसकेडी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर दिनेश जुनेजा, चेयरमैन वरुण यादव थे।

अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की।कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

फ़ेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया।

विजेताओं प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा

कि युवा दुनिया बदलने की ताक़त रखते हैं। प्रतियोगिता में पहले दूसरे स्थान पर आने से ज़्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में हिस्सा लेना और खुद को एक्सप्रेस करना है।

विशिष्ठ अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबू लाल जुनेजा ने कहा कि युवा जो भी सपने देखे उन्हें पूरे आत्मबल के साथ पूरा करें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि किसी भी स्टूडेंट की प्रतिभा छिपी ना रहे इसको लेकर भविष्य में सभी प्रतियोगिताओ में हिस्सा लेने की स्टूडेंट को छूट दी जाएगी।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण देते हुए बताया कि यूथ फेस्टिवल के पहले दिन वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर आनंद चौधरी व आरती जाधव, तीसरे स्थान पर सुखमनी व इतिश्री रहे।

वही तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर विभोर रहे।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि एकल नृत्य में प्रथम सूर्य प्रताप सिंह, दूसरे स्थान पर अंशिता जैन और तीसरे स्थान पर खुशबू सैनी रहे।

समूह गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के स्टूडेंट्स, दूसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के स्टूडेंट रहे।

डॉ दीपाली धवन ने धन्यवाद ज्ञापित किया। मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ मंजू राठौड़ और डॉ केशव मेहरा ने किया।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल के दूसरे दिन युगल नृत्य, हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), स्किट , पोस्टर, कोलाज बनाना, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा।

कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर उपस्थित रहे।

एसकेआरएयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का हुआ रंगारंग आगाज

सीमान्त रक्षक न्यूज

बीकानेर, 29 अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज हुआ। 29 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाले फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित, विशिष्ठ अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबू लाल जुनेजा, एसकेडी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर दिनेश जुनेजा, चेयरमैन वरुण यादव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक राजेंद्र कुमार खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे।

फेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विजेताओं प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि युवा दुनिया बदलने की ताकत रखते हैं। प्रतियोगिता में पहले दूसरे स्थान पर आने से ज्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में हिस्सा लेना और खुद को एक्सप्रेस करना है। विशिष्ठ अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबू लाल जुनेजा ने कहा कि युवा जो भी सपने देखे उन्हें पूरे आत्मबल के साथ पूरा करें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि किसी भी स्टूडेंट की प्रतिभा छिपी ना रहे इसको लेकर भविष्य में सभी प्रतियोगिताओ में हिस्सा लेने की स्टूडेंट को छूट दी जाएगी। छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण देते बताया कि यूथ फेस्टिवल के पहले दिन वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आईएबीएम के स्टूडेंट गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के आनंद चौधरी व आरती जाधव, तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सुखमनी व इतिश्री रहे। वही तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर आईएबीएम के गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर सामुदायिक (शेष पृष्ठ 7 पर)

एसकेआरएयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का हुआ रंगारंग आगाज

खबर एक्सप्रेस

बीकानेर, 29अप्रैल। स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज हुआ। 29 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाले फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित, विशिष्ट अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबू लाल जुनेजा, एसकेडी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर दिनेश जुनेजा, चेयरमैन वरुण यादव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की।

कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेंद्र कुमार खन्नी समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। फेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विजेताओं प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ वीर सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल के पहले दिन वाद विवाद

प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आईएबीएम के स्टूडेंट गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के आनंद चौधरी व आरती जाखड़, तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सुखमनी व इतिश्री रहे। वही तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर आईएबीएम के गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभोर रहे।

स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि एकल नृत्य में प्रथम स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सूर्य प्रताप सिंह, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर की अंशिता जैन और तीसरे स्थान पर कृषि कॉलेज हनुमानगढ़ की खुशबू सैनी रहे।समूह गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के स्टूडेंट्स, दूसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के स्टूडेंट रहे। मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ मंजू राठौड़ और डॉ केशव मेहरा ने किया।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल के दूसरे दिन युगल नृत्य, हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), स्किट , पोस्टर, कोलाज बनाना, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विदित है कि यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चौंदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैंकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर उपस्थित रहे।

एसकेआरएयू में इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का हुआ रंगारंग आगाज

बीकानेर(लोकमत, संवाद)।

स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का रंगारंग आगाज हुआ। 29 अप्रैल से 1 मई तक चलने वाले फेस्टिवल के उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित, विशिष्ट अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबूलाल जुनेजा, एसकेडी यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर दिनेश जुनेजा, चेयरमैन वरुण यादव थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति डॉ अरुण कुमार ने की। कार्यक्रम में कुलसचिव डॉ देवाराम सैनी, वित्त नियंत्रक श्री राजेंद्र कुमार खत्री समेत कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर समेत बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स उपस्थित रहे। फेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन और माइम में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया। विजेताओं प्रतिभागियों को अतिथियों ने पुरस्कार प्रदान किए। समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि महाराजा गंगा सिंह यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉ मनोज दीक्षित ने कहा कि युवा दुनिया बदलने की ताकत रखते हैं। प्रतियोगिता में पहले दूसरे स्थान पर आने से ज्यादा महत्वपूर्ण प्रतियोगिता में हिस्सा लेना और खुद को एक्सप्रेस करना है। विशिष्ट अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबूलाल जुनेजा ने कहा कि युवा जो भी सपने देखे उन्हें पूरे आत्मबल के साथ पूरा करें। कुलपति डॉ अरुण कुमार ने कहा कि किसी भी स्टूडेंट की प्रतिभा छिपी ना रहे इसको लेकर भविष्य में सभी प्रतियोगिताओं में

हिस्सा लेने की स्टूडेंट को छूट दी जाएगी।

छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ वीर सिंह ने स्वागत भाषण देते बताया कि यूथ फेस्टिवल के पहले दिन वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आईएबीएम के स्टूडेंट गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के आनंद चौधरी व आरती जाधव, तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सुखमनी व इतिश्री रहे। वहीं तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर आईएबीएम के गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभोर रहे। स्नातकोत्तर अधिष्ठाता व फेस्टिवल की सांस्कृतिक समन्वयक डॉ दीपाली धवन ने बताया कि एकल नृत्य में प्रथम स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सूर्य प्रताप सिंह, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर की अंशिता जैन और तीसरे स्थान पर कृषि कॉलेज हनुमानगढ़ की खुशबू सैनी रहे।समूह गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के स्टूडेंट्स, दूसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के स्टूडेंट रहे। मंच संचालन सहायक आचार्य डॉ मंजू राठौड़ और डॉ केशव मेहरा ने किया। डॉ दीपाली धवन ने धन्यवाद ज्ञापित किया ।

सहायक सांस्कृतिक समन्वयक व लाइजन ऑफिसर डॉ वाई के सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल के दूसरे दिन युगल नृत्य, हल्का स्वर वाला एकल गीत, समूह गीत (इंडियन), स्किट ,पोस्टर, कोलाज बनाना, रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। विदित है कि यूथ फेस्टिवल के अंतर्गत कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित 7 संगठक महाविद्यालय श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, चूरू के चाँदगोठी, झुंझुनूं के मंडावा और बीकानेर कृषि महाविद्यालय के अलावा आईएबीएम और सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सैकड़ों विद्यार्थी इसमें हिस्सा ले रहे हैं। कार्यक्रम में कृषि विश्वविद्यालय के सभी डीन डायरेक्टर उपस्थित रहे।

इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आगाज

बीकानेर @ पत्रिका. स्वामी केशवानंद राजस्थान कृषि विश्वविद्यालय के विद्या मंडप सभागार में सोमवार को इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल का आगाज हुआ। फेस्टिवल के पहले दिन युवाओं ने वाद विवाद प्रतियोगिता, एकल नृत्य, समूह गायन का आयोजन किया गया। इस दौरान मुख्य अतिथि महाराजा गंगासिंह विवि के कुलपति डॉ. मनोज दीक्षित ने कहा कि युवा दुनिया बदलने की ताकत रखते हैं।

विशिष्ठ अतिथि एसकेआरएयू के प्रबंधन मंडल सदस्य बाबूलाल जुनेजा ने कहा कि युवा जो भी सपने देखे उन्हें पूरे आत्मबल के साथ पूरा करें। कुलपति डॉ. अरुण कुमार ने कहा कि किसी भी स्टूडेंट की प्रतिभा छिपी ना रहे इसको लेकर भविष्य में सभी प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेने की स्टूडेंट को छूट दी जाएगी। छात्र कल्याण निदेशक एवं कार्यक्रम संयोजक डॉ. वीर सिंह ने बताया कि यूथ फेस्टिवल के पहले दिन वाद विवाद प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर आईएबीएम के स्टूडेंट गौरव देशप्रेमी व आस्था कुमारी, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के आनंद चौधरी व आरती जाधव, तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सुखमनी व इतिश्री रहे। वही तात्कालिक भाषण प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज के भावेश पारीक, दूसरे स्थान पर आईएबीएम के गौरव देशप्रेमी और तीसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के विभोर रहे। डॉ. दीपाली धवन ने बताया कि एकल नृत्य में प्रथम स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के सूर्य प्रताप सिंह, दूसरे स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर की अंशिता जैन और तीसरे स्थान पर कृषि कॉलेज हनुमानगढ़ की खुशबू सैनी रहे। समूह गीत प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर कृषि कॉलेज बीकानेर के स्टूडेंट्स, दूसरे स्थान पर सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय के स्टूडेंट रहे।